लखनऊ

शनिवार, 14 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 202

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"दुनिया उसी इंसान को याद रखती है जो कई बार गिरने के बाद भी फिर से उठने का हौसला रखता है।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

'हम मेडिकल साइंस के विशेषज्ञ नहीं': ब्लड बैंक में NAT टेस्ट अनिवार्य करने की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई PIL

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देश के सभी ब्लड बैंकों में न्यूक्लिक एसिड प्रवर्धन परीक्षण (एनएटी) को अनिवार्य करने की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए उसे फिलहाल स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि यह मेडिकल साइंस का विषय है और अदालत खुद को विशेषज्ञ मानकर फैसला नहीं दे सकती। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता संस्था सर्वेशम मंगलम फाउंडेशन से कहा कि वह इस मुद्दे पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य विभाग के सचिवों के सामने विस्तृत प्रस्ताव पेश करे। अदालत ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मेडिकल विशेषज्ञों की सलाह लेकर इस विषय पर उचित निर्णय ले सकते हैं। मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने यह भी टिप्पणी की कि अदालत के पास इस विषय में विशेष तकनीकी ज्ञान नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम मेडिकल साइंस के विशेषज्ञ नहीं हैं, फिर हमें ऐसा दिखावा क्यों करना चाहिए कि हम सब जानते हैं।' इसलिए अदालत इस मामले में सीधे कोई आदेश देने की स्थिति में नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका में मांगी गई राहत का आर्थिक असर भी काफी बड़ा हो सकता है, क्योंकि एनएटी टेस्ट लागू करने के लिए बड़ी संख्या में मशीनें और संसाधन चाहिए होंगे। हर राज्य की अपनी वित्तीय सीमाएं होती हैं, इसलिए इस तरह का फैसला सरकार और विशेषज्ञों को मिलकर करना चाहिए।

ईरान ने तुर्की में नाटो के बेस पर किया हमला, यहां बड़ी संख्या में परमाणु बम होने की आशंका

इस्तांबुल। मध्य पूर्व में अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान ने अमेरिकी और इज़रायली हमलों के जवाब में खाड़ी क्षेत्र में मौजूद कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है और उन पर मिसाइल तथा ड्रोन से हमले किए हैं। इसी कड़ी में ईरान द्वारा तुर्की में स्थित नाटो के एक महत्वपूर्ण सैन्य अड्डे को निशाना बनाए जाने की खबर सामने आई है, जिससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने तुर्की के इंसिरलिक एयर बेस को निशाना बनाते हुए हमला किया। हमले के बाद इलाके में विस्फोट और सायरन की आवाजें सुनाई देने की जानकारी मिली। हालांकि शुरुआती जानकारी के अनुसार इस हमले को एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट कर लिया। इंसिरलिक एयर बेस नाटो का एक अहम सैन्य अड्डा माना जाता है, जहां अमेरिकी सैन्य उपस्थिति भी है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, नाटो की परमाणु साझेदारी व्यवस्था के तहत इस बेस पर अमेरिका के कुछ परमाणु हथियार भी स्टोर किए जाने की आशंका जताई जाती रही है। मध्य पूर्व में जारी इस संघर्ष के कारण क्षेत्रीय हालात और तनावपूर्ण हो गए हैं। ईरान खाड़ी क्षेत्र में कई सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है, जबकि इज़रायल और अमेरिका भी ईरान के खिलाफ लगातार सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं।

लोकसभा में विपक्ष का हंगामा, ओम बिरला बोले- मौका मिलता है फिर भी बोलना नहीं चाहते

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी के मुद्दे पर शुक्रवार (13 मार्च) को विपक्ष ने लोकसभा में हंगामा किया। एक बार के स्थगन (कुछ समय के लिए कार्यवाही को रोकना) के बाद जब कार्यवाही दोबारा 12 बजे शुरू हुई, तो हंगामा और बढ़ गया। इसके बाद कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इससे पहले लोकसभा की बैठक शुरू होने के करीब तीन मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया। इसी दौरान कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े होकर देश में एलपीजी गैस की कथित कमी का मुद्दा उठाने लगे। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल को इस मुद्दे पर कार्यस्थगन प्रस्ताव (जरूरी मुद्दे पर तुरंत चर्चा करने की मांग) का नोटिस दिए जाने की बात कहते सुना गया।

ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों से क्या कहा?

सदन में हंगामे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए कहा कि आप लोग अक्सर कहते हैं कि बोलने का मौका नहीं मिलता। लेकिन जब आपको बोलने का समय और मौका दिया जाता है, तब आप अपनी बात रखने के बजाय हंगामा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह सदन में बार-बार गतिरोध पैदा करना ठीक नहीं है। जब विपक्ष के सांसदों ने अपने आठ साथियों के निलंबन का मुद्दा उठाया तो हंगामा और बढ़ गया। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि अगर आप लोग सदन की मेजों पर चढ़ेंगे तो कार्रवाई तो होगी ही, यह बिल्कुल साफ है।

संसद में तुरंत बयान दें पीएम मोदी : टीएमसी

सदन के बाहर टीएमसी सांसद जून मालिया ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात की। उन्होंने कहा कि देश में गैस की बड़ी समस्या देखने को मिल रही है। इसकी वजह से कई रेस्टोरेंट तक बंद हो गए हैं। बंगाल में पहले गैस सिलेंडर के लिए करीब 21 दिन इंतजार करना पड़ता था, जो अब बढ़कर 25 दिन हो गया है। वहीं गांवों में यह समय 47 दिन तक पहुंच गया है। टीएमसी ने मांग की कि पीएम मोदी इस मुद्दे पर संसद में तुरंत बयान दें।

सीतारमण बोलीं- देशहित में साथ आएं सभी विपक्षी दल

लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को देखते हुए सभी राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हित में एक साथ आना चाहिए। इस तरह से बात करनी चाहिए, जिससे जनता को भरोसा मिले और उनमें उम्मीद जगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं कि इस देश के नागरिकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। हालांकि, विपक्ष का मानना है कि सदन के वेल में घुसकर नारे लगाना ही उनकी एकमात्र भूमिका है। यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है और एक खेदजनक स्थिति को दर्शाता है। मुझे नहीं पता कि और क्या कहूं।

एलपीजी पर राहुल गांधी के दावे, गिरिराज सिंह का पलटवार- देश में भ्रम फैलाना उनकी आदत है

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश को गुमराह करने और वैश्विक मंच पर भारत की छवि को धूमिल करने की आदत होने का आरोप लगाया। संसद के बाहर एएनआई से बात करते हुए सिंह ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की यह आदत बन गई है कि वे देश में भ्रम फैलाते हैं और विदेश नीति पर सवाल उठाते हैं। मकर द्वार पर चाय पीते हुए और देश का अपमान करते हुए उन्होंने कोविड के दौरान भी देश में भ्रम फैलाया। उनकी ये टिप्पणियां केंद्र और विपक्ष के बीच राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चल रही तीखी बहस के बीच आई हैं, जिसे पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और वैश्विक आपूर्ति पर इसके प्रभाव ने और हवा दी है। एक दिन पहले, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं, और कहा था कि दर्द तो अभी शुरू हुआ है। लोकसभा में बोलते हुए गांधी ने कहा कि अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के वैश्विक और घरेलू स्तर पर दूरगामी परिणाम होने की संभावना है। गांधी ने चेतावनी दी कि इसका असर देश भर में महसूस होना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि रेस्तरां बंद हो रहे हैं और एलपीजी की उपलब्धता को लेकर लोगों में दहशत बढ़ रही है। उन्होंने कहा, "मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ गया है। अमेरिका, इज़राइल और ईरान आपस में लड़ रहे हैं। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य, जिससे वैश्विक तेल का 20% प्रवाह होता है, बंद कर दिया गया है। इसके बहुत गंभीर परिणाम होंगे, खासकर हमारे लिए, क्योंकि हमारे तेल और प्राकृतिक गैस का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। अभी तो बस शुरुआत हुई है। रेस्तरां बंद हो रहे हैं।

कांग्रेस सांसद बोले- सरकार की विपक्ष की बात सुननी होगी

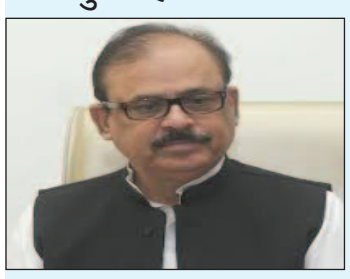

कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा- अगर सदन को चलाना है, तो सरकार को विपक्ष की बात सुननी होगी। विपक्ष को विश्वास में लेना होगा। दुर्भाग्य से सरकार विपक्ष को विश्वास में लेने के लिए तैयार नहीं है।

सपा सांसद इकरा हसन बोलीं- गैस सिलेंडर नहीं मिल रहे

साप सांसद इकरा हसन ने कहा- अगर सरकार ने ध्यान दिया होता, तो कमर्शियल सेक्टर पर इतना बुरा असर नहीं पड़ता। कई राज्यों में हालात इतने खराब हैं कि गैस सिलेंडर बिल्कुल भी नहीं मिल रहे हैं। जहां एक तरफ सरकार का कहना है कि घबराने की कोई बात नहीं है, वहीं हमारा मानना है कि जिस तरह से सरकार ने इस मामले को संभाला है, उसे देखकर यह सवाल उठता है कि हमारी विदेश नीति इस समय किस दबाव में काम कर रही है। हमारे ईरान के साथ पहले बहुत अच्छे रिश्ते थे। भारत को ईरान के साथ खड़ा होना चाहिए था।

अठावले बोले- एलपीजी पर राजनीति न करें

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा- PM मोदी और केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भरोसा दिलाया है कि LPG की कोई कमी नहीं है, हमारे पास पर्याप्त स्टॉक है। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

पीरियड लीव की मांग महिलाओं को कमजोर साबित करने वाली, सुप्रीम कोर्ट बोला- ये कोई बुरी घटना नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर की महिला छात्राओं और कामकाजी महिलाओं के लिए पीरियड्स लीव की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि ये याचिकाएं भय पैदा करने के लिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये याचिकाएं महिलाओं को हीन बताती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन याचिकाओं के जरिए महिलाओं को हीन और कमजोर बताने की कोशिश है। कोर्ट ने कहा कि मासिक धर्म महिलाओं के लिए कोई बुरी घटना नहीं है। जस्टिस बागची ने कहा कि ये सकारात्मक अधिकार तो है, लेकिन उस नियोक्ता के बारे में सोचें जिसे सवैतनिक (पेड लीव) अवकाश देना होगा।

इस जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने छात्राओं एवं कामकाजी महिलाओं को मासिक धर्म अवकाश देने संबंधी राष्ट्रव्यापी नीति निर्माण का अनुरोध करने वाली शुक्रवार को इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसी स्थिति में कोई महिलाओं को नौकरी नहीं देगा और ऐसा प्रावधान लैंगिक रूढ़ियों को अनजाने में और मजबूत करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि कहा कि सक्षम प्राधिकारी इस संबंध में दिए गए अभ्यावेदन पर विचार कर सकते हैं और सभी संबंधित पक्षों से परामर्श के बाद मासिक धर्म अवकाश पर नीति बनाने की संभावना की समीक्षा कर सकते हैं। कोर्ट ने जनहित याचिका का निपटारा करते हुए प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अभ्यावेदन पर उचित फैसला लें। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऐसी याचिकाएं डर पैदा करने के लिए दायर की जाती हैं, ये महिलाओं को हीन बताने के लिए, यह कहने के लिए दायर की जाती हैं कि मासिक धर्म उनके साथ होने वाली कोई बुरी चीज है।। लेकिन उस नियोक्ता के बारे में सोचिए, जिसे सवेतन अवकाश देना होगा। पीठ ने शैलेंद्र मणि त्रिपाठी की तरफ से दायर की गई जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। भारत के प्रधान न्यायाधीश ने मासिक धर्म अवकाश को कानून के जरिये अनिवार्य किए जाने के संभावित सामाजिक परिणामों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऐसी याचिकाएं महिलाओं के बारे में रूढ़ीवादी धारणाओं को अनजाने में और मजबूत कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि स्वेच्छा से अवकाश दिया जाना बहुत अच्छी बात है लेकिन जैसे ही आप कहेंगे कि यह कानून के तहत अनिवार्य है तो कोई उन्हें नौकरी नहीं देगा। उन्हें न्यायपालिका या सरकारी नौकरियों में कोई नहीं लेगा, उनका करियर खत्म हो जाएगा। पीठ ने ऐसी व्यवस्थाओं के कार्यस्थल पर प्रभाव और महिलाओं की पेशेवर प्रगति पर पड़ने वाले संभावित असर को भी जाहिर किया। पीठ ने याचिकाकर्ता की दलीलों पर गौर करते हुए कहा कि याचिका दायर करने वाला व्यक्ति संबंधित प्राधिकारियों को पहले ही अभ्यावेदन दे चुका है।

डीएम ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हाल, बेहतर इलाज के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति

नोएडा। गौतमबुद्धनगर के नोएडा सेक्टर-4 स्थित बिजली मीटर बनाने वाली कंपनी में लगी भीषण आग की घटना के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी ने सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल पहुंचकर हादसे में घायल हुए लोगों का हालचाल जाना और उनके उपचार की व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती सभी घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और चिकित्सकों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनकी स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन से कहा कि सभी घायलों का इलाज पूरी संवेदनशीलता और प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। किसी भी मरीज को उपचार में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने चिकित्सकों से प्रत्येक घायल की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली और उपचार की प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भी लगाई जाए, ताकि सभी मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा मिल सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि घायलों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए और उपचार से जुड़ी हर जानकारी समय-समय पर जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने अस्पताल प्रशासन को यह भी निर्देश दिए कि घायलों के परिजनों को उनके मरीजों की स्थिति के बारे में नियमित रूप से जानकारी दी जाए।

पश्चिम एशिया संकट के बीच चौथी बार हुई जयशंकर-अराघची की बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची से बात की। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद यह दोनों नेताओं की चौथी बातचीत थी। जयशंकर और अराघची के बीच यह बातचीत ऐसे समय हुई, जब होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे 28 व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए नई दिल्ली द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच बीती रात फोन पर बातचीत हुई। बीती 28 फरवरी को जब अमेरिका के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, उसके बाद भी जयशंकर ने अराघची से बात की थी। पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच बीती 5 मार्च और फिर 10 मार्च को भी दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई थी।

कांग्रेस झूठे वादों की दुकान, हम पूरे कर रहे हर वादे असम में पीएम मोदी का हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को असम में सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने गुवाहाटी से सभा को संबोधित करते हुए कहा कि खराब मौसम की वजह से मैं कोकराझार नहीं आ पा रहा हूं। मैं आप सभी से दिल से माफी मांगता हूं। आप सभी से यहीं गुवाहाटी से ही बात कर पाना मुमकिन हो पाया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठे वादों की दुकान है। कांग्रेस 4 सुपर झूठ गिफ्ट में देती है। कांग्रेस का वादा पूरा करने का कोई इरादा नहीं होता। कांग्रेस लोगों में फूट डालने का काम कर रही है, जबकि डबल इंजन की सरकार से असम में विकास हो रहा है। हम हर वादे पूरे कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि NDA की डबल इंजन सरकार असम की विरासत को बचाने और उसके तेजी से विकास के लिए लगातार काम कर रही है। कोकराझार समेत इस पूरे इलाके ने पिछले कुछ दशकों में बहुत मुश्किलें झेली हैं; इसे बहुत नुकसान हुआ है। आज, बोडोलैंड शांति और विकास के रास्ते पर चल पड़ा है। आज, असम शांति और तरक्की का एक नया अध्याय लिख रहा है।

कांग्रेस ने झूठे सपनों में उलझाए रखा

उन्होंने कहा किआज बोडोलैंड शांति और विकास के रास्ते पर है। जब आपने देश और असम दोनों जगह से कांग्रेस को खड़ा किया और भाजपा-एनडीए को अवसर दिया, तो हमने ईमानदारी से प्रयास शुरू किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जहां अपनी स्वार्थी राजनीति के लिए अलग-अलग समुदायों में फूट डाल देती थी, वहां भाजपा ने स्थायी शांति के लिए काम किया। इसी सोच के साथ बोडो शांति समझौता किया गया। इस समझौते में पहली बार सभी प्रमुख संगठनों और समूहों को एक साथ लाया गया। दशकों तक बोडोलैंड का ये इलाका कांग्रेस के इस्तीफे का गवाह रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि बोडोलैंड की कई मांगों को कांग्रेस ने झूठे सपनों में उलझाए रखा। दिल्ली में बैठी कांग्रेस की सरकारों ने सिर्फ दिखावे के लिए कागजी समझौते किए। बोडोलैंड में कई पीढ़ियों तक कांग्रेस ने लोगों को झूठे वादों में उलझाए रखा। कांग्रेस अपने फायदे के लिए अलग-अलग समुदायों में फूट डालती थी, जबकि बीजेपी ने शांति के लिए काम किया है।

असम में तेज विकास के लिए निरंतर हो रहा काम

पीएम मोदी ने कहा कि आपका प्यार मुझ पर एक कर्ज जैसा है, और मेरा मकसद हमेशा आपकी सेवा करके और इस इलाके के विकास के लिए काम करके इस कर्ज को चुकाना रहा है। कुछ हफ्ते पहले, मुझे गुवाहाटी में बोडो संस्कृति की रिच संस्कृति देखने का मौका मिला। यह देखकर मुझे गर्व होता है कि बोडो समुदाय ने अपनी भाषा और संस्कृति को कैसे बचाकर रखा है। उन्होंने कहा कि भाजपा-NDA की डबल इंजन सरकार असम की विरासत के संरक्षण और असम के तेज विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। पीएम मोदी ने कहा किआज यहां इस कार्यक्रम में ही इस क्षेत्र के विकास के लिए 4,500 करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इसमें से 1,100 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि बोडोलैंड की सड़कों के लिए खर्च होने जा रही है। असम माला अभियान के तीसरे चरण से असम की रोड़ कनेक्टिविटी और अधिक सशक्त हो गयी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोकराझार सहित इस पूरे क्षेत्र ने पिछले दशकों में बहुत कुछ सहा था, बहुत कुछ खोया था। हमने वो मुश्किल समय देखा है, जब इन ऊंचाइयों में बम-बंदूक की ही गूंज सुनाई देती थी, लेकिन आज ये तस्वीर बदल रही है।

गैस की किल्लत से बचने के लिए रेलवे की तैयारी, इंडक्शन पर बनेगा 60 प्रतिशत खाना

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजराइल युद्ध की विभीषिका पूरे विश्व में दिख रही है। भारतीय रेलवे इसके लिए फ्लेमलेस किचन की ओर शिफ्ट कर रहा है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) के एजीएम आनंद कुमार झा ने टीवी9 भारतवर्ष से खास बातचीत में बताया कि हाल के दिनों में फ्लेमलेस किचन की ओर आईआरसीटीसी ने बेस किचन को शिफ्ट रहे हैं। रेलवे की ओर से इस बात का दावा किया गया है कि देश में प्रतिदिन आईआरसीटीसी की ओर से 16 लाख लोगों को भोजन परोसा जा रहा है। यह सुविधा फिलहाल निर्बाध रूप से जारी है।

क्या है फ्लेमलेस किचन?

आनंद झा ने बताया कि बेस किचन में आज की तारीख में 60 प्रतिशत खाना इलेक्ट्रिक इंडक्शन सिस्टम से बन रहा है। उन्होंने कहा कि दाल, चावल और कई सब्जियों की ग्रेवी इलेक्ट्रिक सिस्टम पर पकाया जा रहा है। इसके साथ ही रोटी और कई व्यंजन भी इसी तरह बनाया जा रहा है।

गैस की कोई किल्लत नहीं है

आनंद झा ने कहा कि आईआरसीटीसी के बेस किचन में 1000 लोगों के भोजन के लिए औसतन एक सिलेंडर की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि इस लिहाज से फिलहाल एक बेस किचन में लगभग 25 सिलेंडर की जरूरत होती है। यह बेस किचन के बड़े स्वरूप पर भी निर्भर करता है। उन्होंने दावा किया कि इस लिहाज से फिलहाल गैस की कोई किल्लत नहीं है।

सोलर पर शिफ्ट होने की प्लानिंग

आनंद झा ने दावा किया कि आईआरसीटीसी की ओर से ऐसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है, जिसमें बेस किचन की छत पर सोलर पैनल लगाने की योजना है। इस तरह सोलर पैनल के माध्यम से वैकल्पिक इंधन का इस्तेमाल करके भोजन बनाया जा सकता है।

गौरैया आओ मेरे देश में नामक संगोष्ठी आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। गौरैया आओ मेरे देश में कटका क्लब सामाजिक संस्था के द्वारा कटका बाजार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व बृजेन्द्र मिश्र ने किया। इस मौके पर शिक्षा प्रकोष्ठ अध्यक्ष शीतला प्रसाद पांडेय ने बताया कि ग्रामीण और शहरी इलाकों में बाग-बगीचे खत्म हो रहे हैं। इसका सीधा असर इन पर दिख रहा है। गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। इसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। वहीं वक्ता के रूप में लालजी तिवारी ने बताया कि कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे। आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती है। इस मौके पर संस्था अध्यक्ष डॉ सौरभ मिश्र विनम्र ने बताया कि गौरैया के संरक्षण के लिए सरकारों की तरफ से कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखती है। हालांकि, यूपी में 20 मार्च को गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में रखा गया है। संस्था सभी से आग्रह करती है सभी पक्षियों के लिए जलपत्र, घोंसले और दान पानी कि व्यवस्था करें।के कार्यक्रम का संचालन मोनू यादव ने किया।

मुरली नहर के पास कार-बाइक में जोरदार टक्कर बाइक सवार गंभीर घायल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। लम्भुआ कोतवाली क्षेत्र के मुरली नहर के पास शुक्रवार को कार और मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई हादसे में मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि कार में सवार तीन लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरव सिंह (40 वर्ष) पुत्र बेरियम सिंह, निवासी नहर अलीपुर, जिला बिजनौर, लाल रंग की पल्सर मोटरसाइकिल से वाराणसी की तरफ से लखनऊ की ओर जा रहे थे उसी दौरान पीछे से आ रही अर्टिगा कार से उनकी जोरदार टक्कर हो गई कार में तीन लोग सवार थे जो बनारस से अयोध्या की ओर जा रहे थे हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायल बाइक सवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लम्भुआ एंबुलेंस की मदद से पहुंचाया गया बताया जाता हैं कि अस्पताल पहुंचने पर तत्काल डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे जिससे घायल को उपचार दिलाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी कुछ देर बाद डॉक्टर के आने पर प्राथमिक उपचार के बाद घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया स्थानीय लोगों का आरोप हैं कि लम्भुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अक्सर इमरजेंसी के समय डॉक्टर नहीं मिलते और अस्पताल वार्ड बॉय व दाई के भरोसे चलता हैं जिससे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता।

बुलंदशहर में तीन शव मिलने से सनसनी, पेड़ पर महिला...जमीन पर पड़ी थी युवक और बच्ची की लाश

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। खुर्जा के नेहरूपुर गांव में शुक्रवार सुबह रेलवे लाइन के किनारे एक महिला का शव पेड़ पर लटका मिला।

उसी पेड़ के नीचे एक युवक और करीब छह वर्षीय बालिका का शव पड़ा था। एसएसपी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। कुछ दूरी पर दो टूटे मोबाइल, चिप्स के पैकेट और अन्य खाद्य सामग्री बिखरी पड़ी थी।

एसएसपी का कहना है कि प्राथमिक जांच में यही लग रहा है कि पहले बच्ची और युवक की मौत हुई और उसके बाद महिला ने फंदा लगाकर जान दी। पुलिस का मानना है कि पति पत्नी और उनकी बेटी हो सकती है। पुलिस मान रही है कि दंपती पाटरी में श्रमिक रहे होंगे और बंगाल के हो सकते हैं। मामला आत्महत्या का लग रहा है। पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। शव पोस्टमार्टम को भेजे गए हैं।

मुख्तार अंसारी के चचेरे भाई मंसूर अंसारी को हाई कोर्ट से मिली राहत, कुर्क की गई संपत्ति होगी रिलीज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मुख्तार अंसारी के चचेरे भाई मंसूर अंसारी को राहत दी है।

हाई कोर्ट ने जिलाधिकारी गाजीपुर की तरफ से गैंग्सटर एक्ट की कार्रवाई में कुर्क की गई संपत्ति रिलीज करने का आदेश दिया है। साथ ही एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट गाजीपुर द्वारा डीएम की कार्रवाई को सही ठहराने वाला आदेश भी रद कर दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजबीर सिंह ने मंसूर की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। याची के अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय का कहना है कि गाजीपुर के मोहम्मदाबाद में अंसारी की 23 दुकानों को डीएम ने गैंग्स्टर एक्ट में कुर्क किया था।

17 फरवरी को कोर्ट ने फैसला रख लिया था सुरक्षित

कोर्ट ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद 17 फरवरी को फैसला सुरक्षित कर लिया था। कोर्ट ने माना है कि सभी 23 दुकानें गैंग्सटर से अर्जित संपत्ति नहीं है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत गले पर निशान मिलने से बढ़ा रहस्य

सुलतानपुर। लम्भुआ क्षेत्र के चांदा कोतवाली अंतर्गत शुकुल उमरी गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया हैं घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान कपिला धुरिया के रूप में हुई हैं बताया जा रहा है कि महिला की मौत छत से नीचे गिरने के कारण हुई हैं हालांकि मृतका के गले पर दिखाई दे रहे निशानों को लेकर गांव में कई तरह की चर्चाएं भी हो रही हैं जानकारी के मुताबिक मृतका के पति का नाम रामबली हैं परिवार में उनके तीन बेटे हैं आदित्य, प्रियांशु और दीपांशु, जिनमें से एक बेटा दिव्यांग बताया जा रहा हैं मृतका का मायका राजा पट्टी लोटिया गांव में बताया जा रहा हैं घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की तैयारी की जा रही हैं।

जबरन निकाह, तीन तलाक और अब बच्चों के खतना का दबाव... गाजीपुर में महिला आयोग के सामने छलका हिंदू महिला का दर्द

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई के दौरान एक रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है। मोहम्मदाबाद की रहने वाली एक हिंदू महिला ने अपने पति अफसर हुसैन पर अपहरण, जबरन निकाह, धर्म परिवर्तन और अब बच्चों पर मजहबी दबाव बनाने के सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। महिला ने पुलिस पर भी मिलीभगत और चरित्र हनन के गंभीर आरोप मढ़े हैं।

पीड़िता के अनुसार, प्रताड़ना का यह सिलसिला साल 2009 में शुरू हुआ था। मुस्लिम बाहुल्य गांव के रहने वाले अफसर हुसैन ने उसका अपहरण किया और उसे तीन साल तक महाराष्ट्र के एक गांव में बंधक बनाकर रखा। पीड़िता का आरोप है कि 2012 में वापस लौटने के बाद गांव के दबाव में आकर उसका जबरन निकाह अफसर से करा दिया गया। इस निकाह से उसकी एक 14 साल की बेटी और 8 साल का बेटा है।

महिला ने बताया कि अफसर ने साल 2018 में उसे तीन तलाक दे दिया था, लेकिन वो उसे छोड़ नहीं रहा है। अब वो जबरन बच्चों का धर्म परिवर्तन कराना चाहता है और 8 साल के मासूम बेटे का खतना कराने का दबाव बना रहा है। विरोध करने पर महिला को जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं, जिसके डर से वह अपना घर छोड़कर छिपने को मजबूर है।

"पुलिस ने बनाई गलत रिपोर्ट, चरित्र पर उठाए सवाल"

जनसुनवाई में पीड़िता ने आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान को अपने सिर के जख्म दिखाए। उसने बताया कि 10 दिन पहले उस पर चाकुओं से जानलेवा हमला हुआ था, लेकिन पुलिस ने प्रभाव में आकर गलत मेडिकल रिपोर्ट तैयार की ताकि मामला हल्का हो जाए। महिला ने भावुक होकर कहा- पुलिस अब मेरे कैरेक्टर पर सवाल उठा रही है। अगर मेरा चरित्र इतना ही खराब है, तो योगी सरकार मुझे खराब कैरेक्टर का सर्टिफिकेट दे दे, ताकि मैं शांति से जी सकूं।

आयोग ने पुलिस को लगाई जमकर फटकार

महिला की आपबीती सुनने के बाद अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने मौके पर मौजूद अपर पुलिस अधीक्षक (सिटी) को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला का तत्काल निष्पक्ष मेडिकल कराया जाए और आरोपी के खिलाफ सख्त धाराओं में कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अलविदा जुमा पर निकला कदीमी जुलूस-ए-मद्हे सहाबा, शहर में गूंजे नातिया कलाम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। माह-ए-रमज़ान के आखिरी अलविदा जुमा के मौके पर शहर में कदीमी जुलूस-ए-मद्हे सहाबा पूरे अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया।जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और सहाबा-ए-किराम की शान में नातिया कलाम पेश किए गए।जुलूस की शुरुआत किराना मंडी स्थित बीबीया मस्जिद से हुई। यहां से जुलूस जीएन रोड स्थित आगरा मिष्ठान भंडार तक पहुंचा और आगे बढ़ते हुए चौक घंटाघर व जामा मस्जिद मार्ग से गुजरता हुआ चित्रा स्टूडियो पर जाकर सम्पन्न हुआ। जुलूस के दौरान पूरे रास्ते धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा।जुलूस की कयादत समाजवादी पार्टी के शहर विधानसभा अध्यक्ष व इसौली विधानसभा क्षेत्र के प्रबल दावेदार गुफरान अहमद उर्फ सैफी ने उलेमा के साथ की।जुलूस में शामिल लोगों ने सहाबा-ए-किराम की शान में नारे बुलंद करते हुए अमन और भाईचारे का पैगाम दिया।इस मौके पर मौलाना उस्मान साहब, मौलाना कसीम साहब, मौलाना मोहतरुत्सलाम साहब सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।

मुंबई से आया फोन- हिंदूओं की गाड़ी में आग लगाकर टेलीग्राम पर भेजो वीडियो, फिर मिलेगा पैसा

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। आर्थिक मदद के नाम पर जिले में सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश रची जा रही है। पुलिस ने किरतपुर के एक युवक को बुधवार रात गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपित को मदद के नाम पर मुंबई में रहे रहे रिश्तेदार और एक व्यक्ति ने हिंदू समाज के व्यक्ति की गाड़ी में आग लगाकर उसकी वीडियो भेजने को कहा था और रुपये देने का लालच दिया गया था।

गिरफ्तार आरोपित ने चार मार्च को किरतपुर के झंडा चौक पर हिंदू देवी-देवता के नाम लिखी पिकअप गाड़ी में आग लगा दी और वीडियो बनाकर अपने रिश्तेदार को टेलीग्राम पर भेज दी।

सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से पुलिस आरोपित तक पहुंच गई। अब पुलिस मुंबई में रह रहे आरोपित रिश्तेदार तक पहुंचने की कोशिश में हैं। उसके बाद सूत्रधार तक पहुंचेगी। पुलिस की एक टीम मुंबई गई है।

आर्थिक तंगी में आ गया था आरोपी

किरतपुर कस्बे के मुहल्ला अफगानान निवासी अबुजर उर्फ राईन पुत्र शमीम अहमद हरियाणा के गुरुग्राम में सैलून की दुकान पर काम करता था। छह माह पहले वह घर आ गया था। इस दौरान वह बीमार रहने लगा। इस वजह से वह आर्थिक तंगी में आ गया।

इलाज के लिए उसे पैसे की जरुरत पड़ी तो उसने अपने मौसेरे भाई किरतपुर के मुहल्ला लुकमानपुरा के रहने वाले जैद पुत्र रहीस से मोबाइल फोन पर बात की और जैद से पांच हजार रुपये मांगे। जैद मुंबई के पनवेल में सैलून की दुकान करता है। जैद ने अबुजर की टेलीग्राम पर अबूबकर नाम के एक व्यक्ति से संपर्क कराया। साथ ही बताया कि अबूबकर मुस्लिम समाज के लोगों की मदद करते हैं।

टेलीग्राम पर बात करते अबूबकर ने कहा कि हिंदू संप्रदाय के लोगों की गाड़ियों में आग लगानी है। ऐसे वाहन हो, जिन पर हिंदू धर्म से जुड़े धार्मिक शब्द लिखें हैं। इसकी वीडियो बनाकर टेलीग्राम पर भेजनी है।

इसके बाद रकम मिलेगी। अबूबकर के उकसाने पर इसी माह चार मार्च को रात सवा दस बजे अबुजर ने किरतपुर में झंडा चौक पर के पास खड़ी पिकअप गाड़ी जिस पर धार्मिक शब्द लिखी गाड़ी का चयन किया और पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आग लगने के बाद उसकी वीडियो बनाई।

जुमे की नमाज में अमन चैन की मांगी गई दुआऐं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। वृहस्पतिवार को शबे कद्र की रात थी जो साल भर की रातों में सबसे महत्वपूर्ण रात थी उस रात में मांगी गयी दुआएं जरुर पूरी होती हैं। इसी रात में कुरान मजीद भेजा गया था शबे कद्र की रात भर शिया जामा मस्जिद अमहट में नमाज अदा की गयी कुरान मजीद की तेलावत कर के अपने लिए परिवार के सेहत व सलामती की दुआएं की गयी। शुक्रवार को शिया जामा मस्जिद अमहट में मौलाना मोहम्मद जाफर खान ने जुमा की नमाज पढ़ाई उन्होंने जुमे के खुतबे में कहा कि मौला अली ने कहा कि अगर भूख की वजह से कोई चोरी करता है तो चोर के हाथ नहीं बल्कि बादशाह के काटे जाने चाहिए क्योंकि कि उसने अपनी जनता का ख्याल नहीं किया अली ने कहा तलवार हमेशा जालिम पर उठाई जाय मजलूम पर नहीं जिस देश की जनता खुशहाल होगी वह देश विकास करेगा ।अगर दुनिया अली के बतायें रास्ते पर अमल करें तो उसको शासन करने में कोई परेशानी नहीं होगी। इसके बाद अपने देशऔर दुनिया में अमन शांति के लिए दुआएं की गई।

श्रीमदभागवत कथा सुनने मात्र से मोक्ष की प्राप्ति होती है : आचार्य मोहन शास्त्री महाराज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बल्दीराय-सुलतानपुर। तहसील क्षेत्र के सुखबडेरी गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कथा वाचक आचार्य मोहन शास्त्री जी महाराज ने मौजूद श्रोताओं को श्री कृष्ण जन्म की कथा सुनाते हुए बताया कि श्रीमद्भागवत कथा सुनने से मायारूपी जीवन अंत समय में मोक्ष को प्राप्ति होती है। कथा में बताया कि देवकी की आठवीं संतान के रुप में जब भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ तब वासुदेव व देवकी की बेड़ियां खुल गई और सारे द्वारपाल गहरी निंद्रा में सो गये उसी समय वासुदेव श्रीकृष्ण को लेकर मथुरा पहुंचे व नंदबाबा के यहां श्री कृष्ण को छोड़ नंद के यहां पैदा हुई पुत्री को वापस लेकर फिर बंदीगृह पहुंच गये । वहीं जब आठवीं संतान पैदा होने की सूचना कंस को मिली तो कंस ने पहुंचकर आठवीं संतान कन्या देखकर मारना चाहा तो फिसल कर उड़ गई। जो की विंध्याचल पर्वत पर विराजमान हैं। जिसे आज विन्ध्वासिनी के नाम से जाना जाता है।कथा के समय भक्ति मय भजनों से पूरा प्रांगण झूम उठा। श्री कृष्ण भगवान की झांकी निकाली गई। इसी के साथ उक्त दिन की कथा का समापन किया तत्पश्चात मुख्य यजमान राज किशोर शुक्ला व क्रांती शुक्ला ने व्यासपीठ की आरती उतारी व प्रसाद वितरण कराया तथा आये हुए श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर दिनेश शुक्ला, पवन दूबे एडवोकेट राम बहादुर सिंह, राजकरन शुक्ला, सुधाकर शुक्ला, उमेश सिंह, अमित पांडेय, राम मूर्ति चौरसिया, क्षितिज शुक्ला, दीलीप पांडेय, गोलू पांडेय, आशाराम पांडेय आदि लोग मौजूद थे।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी, पीड़ति ने पुलिस से की शिकायत

कूरेभार/सुल्तानपुर। जनपद के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ति ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के ग्राम गरियावां निवासी सुरेन्द्र सिंह ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह किसी आवश्यक कार्य से एटीएम से पैसे निकालने के लिए गए थे। इसी दौरान वहां पहले से मौजूद दो अज्ञात व्यक्तियों ने मदद के बहाने उनका एटीएम कार्ड बदल लिया। पीड़ति का आरोप है कि आरोपियों ने एटीएम कार्ड बदलकर उनके खाते से करीब 21,500 रुपये निकाल लिए। कुछ समय बाद जब उन्हें इस बात की जानकारी हुई तो उन्होंने तत्काल इसकी शिकायत संबंधित थाने में करते हुए कार्रवाई की मांग की। पीड़ति ने अपने प्रार्थना पत्र में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

दिनेश का हुआ औषधि विश्लेषक के पद पर चयन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की भर्ती परीक्षा में औषधि विश्लेषक के पद पर हुआ दिनेश यादव का चयन। दिनेश यादव सुल्तानपुर जिले के दूबेपुर स्थित भांई बगइचवा गांव के निवासी हैं जिनके पिता राम अचल यादव हैं। दिनेश यादव के चयनित होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल हैं। वही जिले के छात्र राजनीति से उभर कर आए समाजवादी पार्टी के नेता राष्ट्रीय सचिव छात्र सभा जिला पंचायत प्रत्याशी राजेश यादव ने उनके घर (भांई , बगइचवा) पहुंचकर दिनेश यादव को मिठाई खिलाकर एंव माला पहनकर बधाई और शुभकामनाएं दी। इस खुशी के मौके पर दिनेश यादव के बड़े पिता दयाराम यादव नेता, जंग बहादुर यादव, एड् भानु प्रताप, एड् कुलदीप जनवादी, विकास यादव, अनिल यादव, सौरभ यादव, अंकित यादव, पत्रकार प्रदीप यादव, विनोद यादव सहित तमाम लोगों ने दिनेश के चयनित होने पर खुशी जाहिर की और बधाई एंव शुभकामनाएं दी।

अलविदा नमाज के चलते शंकराचार्य मामले की सुनवाई टली

प्रयागराज। ज्योतिष्ठ पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के मामले में जिला न्यायालय में शुक्रवार को सुनवाई होनी थी जो नहीं हुई। मामले की सुनवाई के लिए अगली तारीख 17 अप्रैल तय कर दी गई है। शुक्रवार को अलविदा नमाज होने के कारण अधिवक्ता हड़ताल पर रहे। ऐसे में शंकराचार्य मामले में सुनवाई को अगली तिथि के लिए टाल दिया गया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ दर्ज दो मामलों में सुनवाई के लिए 13 मार्च की तारीख मुकर्रर की गई थी। पहला मामला पॉक्सो एक्ट से संबंधित है जिसमें अदालत ने दोनों पक्षों को लिखित बयान मांगा है। वहीं दूसरा मामला शंकराचार्य का वीजा पासपोर्ट जब्त करने की मांग को लेकर है ताकि वह विदेश न भाग सकें। दोनों मामले में शुक्रवार को सुनवाई होनी थी। शंकराचार्य के अधिवक्ता श्रीनाथ त्रिपाठी ने बताया कि मामले की सुनवाई 17 अप्रैल को निर्धारित की गई है।

एलपीजी सिलिंडरों की कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई, 1483 स्थानों पर निरीक्षण व छापे, 6 गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में आम नागरिकों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह सक्रिय है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर खाद्य एवं रसद विभाग व जिला प्रशासन द्वारा प्रदेशभर में आपूर्ति व्यवस्था की लगातार निगरानी के साथ निरीक्षण व छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है, जिससे कहीं भी किसी प्रकार की कमी या अव्यवस्था न होने पाए।

इसी क्रम में मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी सिलिंडरों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम सुनिश्चित किए जाएं।

कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई

यूपी पहला राज्य है, जहां कालाबाजारी के खिलाफ सबसे पहले और ताबड़तोड़ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत जनपद स्तर पर प्रवर्तन टीमों द्वारा शुक्रवार को कुल 1,483 स्थानों पर निरीक्षण और छापेमारी की कार्रवाई की गई। इस दौरान एलपीजी वितरकों के विरुद्ध 4 एफआईआर दर्ज की गई, जबकि एलपीजी गैस की कालाबाजारी में संलिप्त अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध 20 एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। मौके से 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 19 व्यक्तियों के विरुद्ध अभियोजन की कार्रवाई की गई है।

उपभोक्ताओं को सुनिश्चित की गई एलपीजी रिफिल डिलीवरी

प्रदेश में कार्यरत 4,108 एलपीजी गैस वितरकों के माध्यम से उपभोक्ताओं को उनकी बुकिंग के सापेक्ष एलपीजी रिफिल की डिलीवरी सुनिश्चित कराई गई है। वितरकों के यहां एलपीजी सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आवश्यकतानुसार घरेलू एलपीजी सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

वाणिज्यिक सिलेंडरों का 20 प्रतिशत आवंटन

भारत सरकार द्वारा वाणिज्यिक सिलेंडरों की कुल खपत के 20 प्रतिशत तक आवंटन की अनुमति प्रदान की गई है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी गैस आपूर्ति प्रभावित न हो।

24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम

आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी और किसी भी समस्या के त्वरित समाधान के लिए खाद्यायुक्त कार्यालय में पेट्रोलियम पदार्थों के वितरण से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान हेतु 24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यहां खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त होम कंट्रोल रूम में भी विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती की गई है। वहीं प्रदेश के सभी जनपदों में भी कंट्रोल रूम स्थापित कर दिए गए हैं, जो लगातार कार्यरत हैं।

फील्ड में सक्रिय प्रशासन

उपभोक्ताओं को एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला पूर्ति कार्यालय और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी लगातार फील्ड में भ्रमण कर रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के किसी भी हिस्से में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति बाधित न हो और आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में किसानों की आय और युवाओं के रोजगार की अपार संभावनाएं : केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में किसानों और उद्यमियों की आय बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के तहत दी जा रही सुविधाओं और अनुदान के बारे में लोगों को व्यापक रूप से जागरूक किया जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यम स्थापित हो सकें। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और किसानों के उत्पादों को बेहतर मूल्य दिलाने के लिए इस क्षेत्र को बढ़ावा देना आवश्यक है।उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में विभाग द्वारा इस दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी

क्रम में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों के परीक्षण के लिए अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बी. एल. मीणा की अध्यक्षता में गुरुवार को खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय, लखनऊ में अप्रेजल समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में 19 नए प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए। इनमें से जनपद वाराणसी से 1, मेरठ से 2, कानपुर नगर से 4, कानपुर देहात से 1, लखनऊ से 1, लखीमपुर खीरी से 1, बरेली से 1, कौशाम्बी से 1, अयोध्या से 1 और रामपुर से 1 प्रस्ताव सहित कुल 14 प्रस्तावों को एसएलईसी के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति की गई।इन प्रस्तावों में नमकीन और स्वीट्स इकाई, फ्रोजन सब्जी प्रसंस्करण एवं कलीनरी हर्ब्स, सोलर पावर प्लांट स्थापना, मिल्क पाउडर, देशी घी, पनीर और वे पाउडर उत्पादन, मसाला प्रसंस्करण इकाई, रेडी-टू-कुक उत्पाद (प्री-मिक्स दलिया, खिचड़ी) तथा पोल्ट्री फीड इकाई की स्थापना जैसे लगभग 200 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर उन्हें अप्रेजल समिति द्वारा अनुमोदित किया गया।समिति ने इस बात पर भी सहमति जताई कि इन प्रसंस्करण इकाइयों को कच्चा माल स्थानीय किसानों और पशुपालकों से प्राप्त किया जाएगा। इसके लिए निवेशकों को 10 रुपये के स्टांप पर कम से कम 100 किसानों या दुग्ध उत्पादकों की सूची उपलब्ध करानी होगी। साथ ही निवेशकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद तैयार किए जाएंगे और उससे संबंधित प्रमाण-पत्र निदेशालय को उपलब्ध कराए जाएंगे।

इग्नू की जून में आयोजित होने वाली सत्रांत परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में आयोजित होने वाली जून, 2026 सत्रांत परीक्षा के लिए अर्ह विद्यार्थी समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं I परीक्षा फार्म 10 मार्च से 10 अप्रैल तक भरे जा सकते हैं जबकि 11 अप्रैल से 24 अप्रैल तक 1100 रुपये विलम्ब शुल्क देकर ही फार्म भरे जा सकेंगे I इग्नू की संभावित परीक्षाएं एक जून से 15 जुलाई तक चलेंगी I यह जानकारी इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने दी I

डॉ. मिश्रा ने बताया कि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अंतर्गत 18 परीक्षा केंद्र बनाये गए हैं I लखनऊ में श्री जय नारायण मिश्रा पी. जी. कालेज और लखनऊ क्रिश्चियन डिग्री कालेज पर परीक्षा केंद्र बनाये गए हैं I लखनऊ के अलावा कानपुर, कानपुर देहात, बरेली, झाँसी, उरई, शाहजहांपुर, गोलागोकर्णनाथ, सीतापुर, फतेहगढ़, चित्रकूट, हरदोई, अयोध्या, बस्ती, बलरामपुर, रायबरेली, अमेठी में परीक्षा केंद्र बनाये गए हैं I

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना 2026 से सभी ग्राम पंचायतों को मिलेगी परिवहन सुविधा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना 2026 को लागू करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत ग्राम पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को सुगम और सस्ती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।उन्होंने बताया कि मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 66(1) के तहत मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 के अंतर्गत संचालित होने वाले वाहनों को अधिसूचना के प्रावधानों के अनुसार परमिट की अनिवार्यता से छूट प्रदान की गई है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सेवा को सरल और सुलभ बनाया जा सके।योजना भवन स्थित एनआईसी सेंटर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए उन्होंने

निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना और सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारी गंभीरता और रुचि के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत को सुगम और किफायती परिवहन सेवा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्रों को विकास खंड, तहसील और जनपद मुख्यालय से सीधे परिवहन सुविधा से जोड़ा जा रहा है।परिवहन मंत्री ने बताया कि वर्तमान में परिवहन निगम द्वारा तहसील मुख्यालय, नगर पालिका परिषद और नगर निगम स्तर पर परिवहन सुविधा उपलब्ध है, लेकिन दूरस्थ और असंबद्ध ग्राम पंचायतों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक परिवहन सेवा पहुंचाना इस योजना का प्रमुख उद्देश्य है।उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत प्रदेश की सभी 59,163 ग्राम पंचायतों को परिवहन सेवा से जोड़ा जाएगा, जिससे ग्रामीण जनता को ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय तक सीधी और सुरक्षित पहुंच मिल सकेगी। साथ ही निजी क्षेत्र के बस संचालकों के माध्यम से उन ग्रामीण मार्गों पर भी सेवा उपलब्ध कराई जाएगी, जहां परिवहन निगम की बसें कम संचालित होती हैं। योजना के तहत 15 से 28 सीट क्षमता वाले डीजल, सीएनजी या इलेक्ट्रिक वाहन संचालित किए जाएंगे।बैठक में अपर मुख्य सचिव परिवहन अर्चना अग्रवाल, प्रबंध निदेशक परिवहन निगम प्रभु एन सिंह, परिवहन आयुक्त किंजल सिंह, विशेष सचिव परिवहन केपी सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

निस्ट किसान मेला 2026 का उद्घाटन, आधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने मऊ जनपद के कुशमौर स्थित राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित निस्ट किसान मेला 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे मेले किसानों को नई तकनीक, बेहतर बीज और आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी देने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं।मंत्री ने कहा कि देश के किसानों के अथक परिश्रम, समर्पण और पुरुषार्थ के कारण भारत आज खाद्यान्न उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत कई कृषि उत्पादों का निर्यात कर रहा है, जो किसानों की मेहनत

और कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों का परिणाम है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे उत्पादकता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों और कृषि संस्थानों के मार्गदर्शन का लाभ लें और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएं।उन्होंने किसानों को समन्वित खेती अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि खेती के साथ पशुपालन, बागवानी, मत्स्य पालन और अन्य सहायक गतिविधियों को जोड़कर किसान अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार की खेती से न केवल आय में वृद्धि होती है बल्कि संसाधनों का बेहतर उपयोग भी संभव हो पाता है।भंडारण की समस्या पर उन्होंने कहा कि किसानों को अपने उत्पाद सुरक्षित रखने में अक्सर कठिनाई का सामना करना पड़ता है, जिससे उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल पाता। इस समस्या के समाधान के लिए सरकार द्वारा कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के लिए सब्सिडी युक्त कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।

बीबीएयू में जैन दर्शन और साहित्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में हिंदी प्रकोष्ठ, बीबीएयू और उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) के संयुक्त तत्वावधान में तीर्थंकर ऋषभदेव जन्म कल्याणक के अवसर पर आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'जैन दर्शन और साहित्यः समकालीन संदर्भ में' का समापन शुक्रवार को हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. अभय कुमार जैन, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के प्रो. नलिन के. शास्त्री, लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल, नव नालंदा महावीर विश्वविद्यालय बिहार के प्रो. रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव मंच पर उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन समिति द्वारा अतिथियों और शिक्षकों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करने के साथ हुई। कार्यक्रम संयोजक डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी के उद्देश्य और रूपरेखा से अवगत कराया। मंच संचालन डॉ. रमेश चंद्र नैनवाल ने किया।अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि जैन दर्शन और जैन साहित्य मनुष्य को यह शिक्षा देते हैं कि जीवन में वास्तविक उन्नति और संतोष प्राप्त करने के लिए आवश्यकताओं को सीमित रखना अत्यंत आवश्यक है। संयमित जीवनशैली अपनाकर व्यक्ति न केवल अपने जीवन को संतुलित बना सकता है बल्कि समाज में सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण वातावरण के निर्माण में भी योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पाश्चात्य प्रभाव के कारण समाज में उपभोगवाद और अनैतिकता की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिससे लोग अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे समय में जैन धर्म के संयम, अपरिग्रह और नैतिक आचरण जैसे सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक हो जाते हैं।प्रो. अभय कुमार जैन ने जैन धर्म के सम्यक ज्ञान, सम्यक वाणी और सम्यक चरित्र की विचारधारा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन सिद्धांतों के माध्यम से व्यक्ति आत्मिक उन्नति के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने जैन दर्शन के गुणानुवाद की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परंपरा महान व्यक्तित्वों के गुणों को अपनाने और उन्हें जीवन में उतारने की प्रेरणा देती है। उन्होंने बताया कि जैन साहित्य अत्यंत समृद्ध और प्रेरणादायी है, जो नैतिकता, सामाजिक चेतना, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करता है।प्रो. नलिन के. शास्त्री ने कहा कि जैन दर्शन मनुष्य को अपने भीतर स्थित परमात्मा के साक्षात्कार की ओर अग्रसर करता है। यह दर्शन आत्मचिंतन और आत्मानुशासन के माध्यम से व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप की पहचान कराता है। उन्होंने कहा कि आज के भोगवादी दौर में जैन दर्शन का अपरिग्रह सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो संयम, सादगी और संतुलित जीवन की प्रेरणा देता है।प्रो. पवन अग्रवाल ने कहा कि जैन धर्म मनुष्य को कर्मशील बनने की प्रेरणा देता है और जैन साहित्य व्यक्ति को नैतिक एवं मानवीय मूल्यों के पालन की दिशा में आगे बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि जैन परंपरा में प्रकृति संरक्षण, जीवों की रक्षा और शाकाहार को विशेष महत्व दिया गया है, जो वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन और सतत विकास के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।प्रो. रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने कहा कि करुणा, क्षमा, दया और अपरिग्रह जैन धर्म के मूल सिद्धांत हैं, जो सत्य की बहुलता को स्वीकार करते हुए अनावश्यक उपभोग की प्रवृत्ति की आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा कि जैन दर्शन व्यक्ति को आंतरिक शुद्धता, संयम और आत्म-विकास की ओर प्रेरित करता है और समाज में सहिष्णुता तथा सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करता है।संगोष्ठी के दौरान प्रतिभागियों के लिए दो अकादमिक सत्र आयोजित किए गए। प्रथम अकादमिक सत्र की अध्यक्षता बीबीएयू के शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही ने की, जबकि द्वितीय सत्र की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने की।कार्यक्रम के अंत में संयोजक डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैर शिक्षण अधिकारी-कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी और विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

सुर साधना' कार्यक्रम से प्रदेश के लोक कलाकारों को मिल रहा नया मंच

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन देने और लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सुर साधना' कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश के 22 जिलों में साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों में धार्मिक, ऐतिहासिक और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।अब तक 156 दिनों के दौरान 374 सांस्कृतिक दलों के लगभग 2200 से अधिक कलाकार इन कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। इससे प्रदेश की समृद्ध लोक परंपराओं को नया मंच मिल रहा है और दर्शकों को भी विभिन्न लोक कलाओं को करीब से देखने और समझने का अवसर मिल रहा है।कार्यक्रमों में लोकगायन, भजन-कीर्तन, लोकनृत्य, लोकनाट्य, कठपुतली, जादू, शास्त्रीय गायन-वादन, किस्सागोई और काव्य पाठ जैसी विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं की प्रस्तुतियां दी जाती हैं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को उत्तर प्रदेश की विविध लोक परंपराओं से रूबरू होने का अवसर मिलता है।इस पहल में स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि क्षेत्रीय पारंपरिक कला को बढ़ावा मिल सके। कलाकारों को उनकी प्रस्तुति के अनुसार सम्मानजनक मानदेय भी दिया जाता है। लोकनृत्य के लिए 15 हजार रुपये, लोक भजन गायन के लिए 10 हजार रुपये और जादू, कठपुतली, किस्सागोई या काव्य पाठ जैसी अन्य विधाओं के लिए 5 हजार रुपये मानदेय निर्धारित किया गया है।सुर साधना' कार्यक्रम के तहत कुसुमवन सरोवर (मथुरा), झांसी का किला, रामघाट (चित्रकूट), नया अस्सी घाट (वाराणसी), त्रिवेणी घाट (प्रयागराज), कुड़िया घाट और जनेश्वर मिश्र पार्क (लखनऊ), शिल्पग्राम (आगरा), नैमिषारण्य धाम (सीतापुर), राम की पैड़ी (अयोध्या), रामगढ़ताल (गोरखपुर), सीता समाहित स्थल (भदोही) और बटेश्वर धाम (आगरा) सहित प्रदेश के कई प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिर्जापुर), प्रेम मंदिर (वृंदावन), शुक्र तीर्थ (मुजफ्फरनगर), देवीपाटन मंदिर (बलरामपुर), गढ़मुक्तेश्वर (हापुड़), मां शाकुंभरी देवी मंदिर (सहारनपुर) और शीतला माता मंदिर (मैनपुरी) जैसे प्रमुख स्थलों को भी इस पहल से जोड़ा गया है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की लोक कला और लोक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक विरासत की मजबूत नींव हैं।

संक्षेप

गैस किल्लत पर अखिलेश यादव का भाजपा पर निशाना

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गैस की किल्लत को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा यह दावा कर रही है कि गैस की कोई कमी नहीं है, तो विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाले उनके मंत्री, सांसद, विधायक, पार्षद और करोड़ों कार्यकर्ता तथा उनके अनरजिस्टर्ड संगी-साथी भूमिगत क्यों हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को अपने भूमिगत ठिकानों से निकलकर जनता के बीच जाना चाहिए और गैस एजेंसियों से लोगों को गैस दिलवानी चाहिए।अखिलेश यादव ने कहा कि अब क्या जनता भाजपाइयों के घरों का घेराव करे या उनके कार्यालयों, प्रतिष्ठानों अथवा भाजपा का झंडा उतारी हुई उनकी गाड़ियों का। उनका कहना था कि सच यह है कि जितनी किल्लत बढ़ती है, भाजपा उतना ही उसे नकारने का झूठ बढ़ा देती है। कोरोना काल में ऑक्सीजन गैस से लेकर आज खाने की गैस और अन्य तरह की गैस या खाद की किल्लत तक, हर मामले में भाजपाइयों की यही चाल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आपदा के समय भी कालाबाजारी का रास्ता तलाश लेती है।उन्होंने कहा कि भाजपा की गलतियों का खामियाजा जनता क्यों भुगते। सत्ताधारी भाजपा और झूठी सेवा का 'शताब्दीय' दावा करने वाले उनके अनरजिस्टर्ड संगी-साथी भूख से तड़प रहे लोगों के लिए मुफ्त भोजनालय चलाएं, नहीं तो जनता के बीच नजर ही न आएं।

मौलाना इक़बाल कादरी की इफ्तार पार्टी में शामिल हुए अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इक़बाल कादरी की ओर से रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी शामिल हुए। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे। विधायक रविदास मेहरोत्रा सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग इफ्तार कार्यक्रम में उपस्थित रहे।अजान के साथ सभी रोजेदारों ने एक साथ रोजा इफ्तार किया। इसके बाद अदा की गई नमाज में देश में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारा कायम रहने की विशेष दुआ की गई। साथ ही वर्ष 2027 में अखिलेश यादव की जीत और उनके नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने की भी दुआ की गई।इफ्तार पार्टी में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय महासचिव यामीन खान सहित स्वामी अग्रितानन्द जी महंत, संत मंसा सिंह हैन्डगंधी, मौलाना सैय्यद कलीम अशरफ सज्जादानसीन जायस अमेठी, मौलाना सैय्यद सिराजुद्दीन अशरफ, खानकाहे अशरफिया किछौछा शरीफ, मौलाना सैय्यद अदनान अशरफ, मौलाना सैय्यद समदानी अशरफ, मौलाना सैय्यद समनानी अशरफ किछौछा शरीफ, मौलाना सैय्यद यजदानी अशरफा किछौछा शरीफ, हजरत मुफ्ती अबुल इरफान मियां फिरंगी महली, मौलाना अफ्फान अतीक फिरंगी महली, मौलाना यासूब अब्बास, मौलाना अब्दुल्ला नदवी, मौलाना फरमान नदवी इमाम नदवा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाखामऊ में आम आदमी पार्टी की दावत-ए-इफ्तार, संजय सिंह हुए शामिल

लखनऊ। ग्राम भाखामऊ, कुर्सी रोड (विधानसभा क्षेत्र बीकेटी) में रमज़ान के पवित्र महीने के अवसर पर आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह द्वारा दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।इस अवसर पर क्षेत्र के बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित रहे। अजान के साथ सभी रोजेदारों ने मिलकर इफ्तार किया और देश में अमन, भाईचारे तथा तरक्की के लिए दुआ की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने कहा कि रमज़ान का पवित्र महीना आपसी भाईचारे, मोहब्बत और इंसानियत का संदेश देता है। ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और सौहार्द को मजबूती मिलती है।आयोजक सभाजीत सिंह ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में आपसी प्रेम और सद्भाव को मजबूत करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों और समुदायों के लोग मिलकर देश में भाईचारा और एकता का संदेश दें।इस मौके पर लखनऊ जिला अध्यक्ष इरम रिजवी, प्रिंस सोनी, दिनेश पटेल, महेंद्र सिंह, मोहम्मद जमाल, शहनवाज, सलमान, सुलेमान, पूर्व प्रधान अलीम बेग, सिहाब कैफी, पूर्व प्रधान नईमुद्दीन, तौसीफ, फैज, मो. शाद, मसुदुद्दीन, तुषार श्रीवास्तव और अतुल सिंह सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन देश में अमन-चैन, भाईचारे और तरक्की की दुआ के साथ हुआ।

मड़ियांव पुलिस ने ई-रिक्शा व बैटरी चोरी करने वाले पांच शातिर गिरफ्तार

लखनऊ। मड़ियांव थाना पुलिस ने ई-रिक्शा और उसकी बैटरियां चोरी करने वाले पांच शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी में प्रयुक्त दो ई-रिक्शा, छह बैटरियां, एक चोरी का ई-रिक्शा तथा 1325 रुपये नगद बरामद किए हैं। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मामले का सफल अनावरण किया।पुलिस के अनुसार 11 मार्च 2026 को समनान गार्डन कॉलोनी, कैम्पबेल रोड निवासी आसिफ शकील ने अपना ई-रिक्शा (संख्या UPRN6912) चोरी होने की शिकायत थाना मड़ियांव में दर्ज कराई थी। इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ युवक यासीन बाग क्षेत्र में एक रिक्शे पर बैठकर चोरी की बैटरियां बेचने की योजना बना रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पांच युवकों को पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान सलमान, फैज आलम, आरिफ, अमान और मोहम्मद तालिब के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी में प्रयुक्त दो ई-रिक्शा बैटरी सहित, अलग-अलग कंपनियों की छह बैटरियां, 1325 रुपये नगद और एक चोरी का ई-रिक्शा बरामद हुआ। बरामद ई-रिक्शा के संबंध में थाना मड़ियांव में दर्ज मुकदमे से संबंधित होना पाया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की वृद्धि की गई है तथा घटना में प्रयुक्त दोनों ई-रिक्शा को माल मुकदमे के रूप में सीज कर दिया गया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच उपजे असंतोष को सूझबूझ पूर्वक पाट रहे हैं योगी आदित्यनाथ!

उत्तर प्रदेश में भाजपा के संगठनात्मक पदों और सरकारी निकायों के पदों पर नियुक्तियों में विलंब मुख्य रूप से जातीय-क्षेत्रीय संतुलन, आंतरिक खींचतान और केंद्रीय नेतृत्व के मंथन के कारण हो रहा है। इससे कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ा है, हालांकि मार्च 2026 तक बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। आलम यह है कि प्रदेश के सभी 16 नगर निगम में 10-10 मनोनीत होने वाले पार्षदों की नियुक्ति अटकी पड़ी है, जबकि तीन साल बीतने को है। विभिन्न बोर्डों की भी यही स्थिति है। इससे विधानसभा चुनाव 2027 में पार्टी की रणनीति पर भी असर पड़ना लाजिमी है, क्योंकि अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की रस्साकशी में कार्यकर्ताओं में निराशा है। जहां तक विलंब के प्रमुख कारण की बात है तो जातीय एवं सामाजिक समीकरण इसकी पहली वजह है। भाजपा का ओबीसी करण होने से पार्टी के वफादार कार्यकर्ताओं में रोष गहराता जा रहा है। इसका असर 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों और 2026 में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों पर अवश्य पड़ेगा। लिहाजा पार्टी इससे पहले सभी वर्गों (ओबीसी, दलित, सवर्ण, खासकर ब्राह्मण राजपूत आदि) को प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने में जुटी है, जिसपर प्रदेश अध्यक्ष और सरकार के मुखिया की खींचातानी से चयन अटका हुआ बताया जाता है।

वहीं पार्टी की आंतरिक गुटबाजी जैसे सांसदों-विधायकों के बीच खींचतान और केंद्रीय नेतृत्व व आरएसएस के बीच वैचारिक मतभेद (चुनावी साख बनाम संगठन अनुभव) से कई पद लंबित हैं। वहीं, सरकारी पदों पर देरी यानी निगमों, बोर्डों और आयोगों के 100+ रिक्त पदों पर पार्टी-संगठन व सरकार के बीच समन्वय की कमी, साथ ही योगी सरकार की मंजूरी का इंतजार है। अब तक ऐसा नहीं होने से जमीनी कार्यकर्ताओं में असंतोष स्वाभाविक है। खासकर वफादार कार्यकर्ता कार्यगत पुरस्कार न मिलने, लगातार चुनावी मेहनत के बावजूद पद न पाने से नाराज हैं; जिसके चलते कतिपय जिलों में सामूहिक इस्तीफे तक हुए। योगी-केशव जैसे नेताओं के बीच अनबन की अटकलें भी असंतोष बढ़ा रही हैं। वर्तमान स्थिति यह है कि पंकज चौधरी दिसंबर 2025 में प्रदेश अध्यक्ष बने, जिससे 70+ जिलाध्यक्ष घोषित हो चुके हैं। जबकि होली के बाद मिशन-2027 के तहत नई टीम, क्षेत्रीय अध्यक्षों में बदलाव की घोषणा संभावित है, जिसके दृष्टिगत पर्यवेक्षक भेजे गए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश भाजपा कार्यकर्ताओं के असंतोष को कम करने के लिए संगठनात्मक बदलाव, प्रत्यक्ष संवाद, प्रशिक्षण अभियान और पदों पर समायोजन जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। ये प्रयास मुख्य रूप से 2027 चुनाव की तैयारी के तहत होली के बाद अब तेज हो रहे हैं। इस निमित्त कई संगठनात्मक कदम उठाए जा चुके हैं और कुछ प्रक्रिया धीन हैं। जहां तक नई टीम के गठन की बात है तो प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में होली बाद बड़े फेरबदल, जिलाध्यक्षों-क्षेत्रीय अध्यक्षों की नियुक्तियां, जातीय संतुलन बनाकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी मिलेगी। वहीं, सरकारी पदों पर समायोजन यानी निगमों, बोर्डों, आयोगों के खाली पदों पर कार्यकर्ताओं की सूची तैयार है, और मिशन-2027 के तहत तोहफा के रूप में वितरण कार्य शेष रहने की खबर है। संवाद एवं प्रशिक्षण प्रयास के तहत प्रत्यक्ष मुलाकातें हो रही हैं। 'कार्यकर्ता सर्वप्रथम' मंत्र से वन-टू-वन मैपिंग, वीआईपी संस्कृति खत्म कर रूठे कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद; सीएम योगी विधायकों से नियमित बैठकें कर रहे हैं।वहीं डिजिटल एवं वैचारिक प्रशिक्षण के तहत कार्यकर्ताओं को डिजिटल हथियार से लैस करने का अभियान, और बूथ स्तर पर नीतियां-कार्यपद्धति सिखाना जारी है। आरएसएस-बीजेपी में समन्वय की कोशिशें परवान चढ़ी हुईं हैं।आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से योगी की मुलाकातें, कानपुर समन्वय बैठक में असंतोष मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसके दृष्टिगत आंतरिक कलह सुलझाने की कोशिश जारी है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी संभालने के लिए प्रत्यक्ष बैठकें शुरू कर दी है। आरएसएस-बीजेपी समन्वय मंचों पर खुली चर्चा और जमीनी मुद्दों पर आश्वासन जैसे कदम उठाए हैं। मार्च 2026 तक गोरखपुर व कानपुर जैसी जगहों पर ये प्रयास तेज हुए। प्रत्यक्ष संवाद हो रहे हैं। खुद योगी ने 200+ विधायकों, सांसदों व पूर्व नेताओं से अलग-अलग मुलाकातें कीं, जहां उन्होंने पार्टी की हार के कारणों (कार्यकर्ता-सरकार डिस्कनेक्ट) को सुने और विपक्षी प्रचार पर जवाब देने को कहा। साथ ही जमीनी स्तर पर समस्याओं (जैसे अस्पताल बेड) के समाधान का आह्वान किया। मुख्यमंत्री की आरएसएस से समन्वय बैठकें भी चल रही हैं। गोरखपुर (मार्च 2026) में पदाधिकारियों से मन की बात सुनकर जवाब दिए, और एआई (AI) युग व कैशलेस इलाज जैसे सवाल हल किए। वहीं कानपुर (मार्च 2026) में आरएसएस के साथ बैठक में कार्यकर्ता सम्मान, यूजीसी नियमों से सवर्ण असंतोष, स्थानीय विवादों पर चर्चा हुई; साथ ही अनुशासनहीनता पर कार्रवाई व बेहतरी का आश्वासन दिया।

कैरियर पिजन सर्विस अभी भी जीवित

आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं

रजनीश कपूर

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे।

आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है – 'कैरियर पिजन सर्विस'। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है।

'कैरियर पिजन' या 'होमिंग पिजन' का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर-दर-शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में 'पिजन नेटवर्क' स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से 'पिजन पोस्ट'शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में 'कैरियर पिजनों' ने जान भी बचाई, फ्रांस में 'चेर आमी' नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए 'पिजन सर्विस' चली आ रही थी।

लेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब-इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976-77 के चुनावों और 1982 के 'फ्लैश फ्लड्स' में जब सड़कें-ब्रिज बह गए और वायरलेस-टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए।

सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक 'कैरियर पिजन' उड़ा। ठीक 11:20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की 'पिजन सर्विस' की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है।

1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर। वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के 'सुपर साइक्लोन' में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी। इनकी गति औसतन 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। ये एक बार में 400-500 किलोमीटर उड़ने की क्षमता रखते हैं। 'बेल्जियन होमर' नस्ल के ये कबूतर चुंबकीय क्षेत्र का पता लगाकर अपने घोंसले तक आसानी से पहुंच जाते हैं।

2008 में आधुनिक संचार के चलते इसे औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। लेकिन ओडिशा पुलिस ने इसे पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर दो 'लॉफ्ट' अभी भी बरकरार रखे गए, एक कटक में ओडिशा पुलिस मुख्यालय पर 105 'बेल्जियन होमर पिजन' और दूसरा अंगुल के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज पर 44 पिजन। कुल लगभग 150 प्रशिक्षित कबूतर आज भी सेवा में हैं। अब इन्हें सिर्फ सांस्कृतिक और औपचारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ये कबूतर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की परेड में शांति, प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश लेकर उड़ते हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में 25 कबूतरों ने 30 किलोमीटर की दूरी मात्र 29 मिनट में तय की।

आज जब साइबर हमले, प्राकृतिक आपदाएं और इमरजेंसी में मोबाइल नेटवर्क फेल हो जाते हैं, तब यह सेवा सिर्फ विरासत नहीं, बल्कि सुरक्षा की गारंटी है। ओडिशा पुलिस के स्पेशल डीजी (कम्युनिकेशंस) अरुण रे के अनुसार, 'यह भारत का सबसे अच्छा रखा गया राज है।' गौरतलब है कि सीएजी ने इसकी लागत पर आपत्ति जताई थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने साफ कहा, 'विरासत को बचाओ।'

यह सेवा हमें सिखाती है कि प्रगति का मतलब पुरानी चीजों को फेंकना नहीं, बल्कि उन्हें संभाल कर रखना है। आज युवा पीढ़ी स्मार्टफोन पर जीती है, लेकिन जब वे इन कबूतरों को उड़ते देखते हैं तो इतिहास जीवंत हो उठता है। ऐसे में यदि स्कूलों-कॉलेजों व अन्य कार्यक्रमों में इनका प्रदर्शन करवाया जाए, तो न सिफ़र् नई पीढ़ी को बरसों पुरानी विरासत जानने का मौका मिलेगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। ड्रोन और सैटेलाइट के युग में भी ये पंख वाले डाकिया हमें याद दिलाते हैं कि प्रकृति की शक्ति आज भी अजेय है।

ओडिशा पुलिस की यह पहल दुनिया के लिए मिसाल है। अमेरिका, यूरोप या एशिया की कोई अन्य पुलिस फोर्स आज ऐसा नहीं कर रही। यह सिर्फ ओडिशा का गौरव नहीं, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक विरासत है। हमें इसे और मजबूत करना चाहिए। ज्यादा 'लॉफ्ट', ज्यादा प्रशिक्षण, ज्यादा जागरूकता किया जाए। क्योंकि संचार सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि विश्वास और विश्वसनीयता का मामला है। जब आधुनिक दुनिया इंस्टेंट मैसेजिंग पर निर्भर है, तब ये उड़नहार संदेशवाहक हमें सिखाते हैं – कुछ चीजें कभी पुरानी नहीं होतीं, वे सिर्फ विरासत बन जाती हैं। ओडिशा पुलिस की 'कैरियर पिजन सर्विस' इसी विरासत का जीवंत प्रतीक है। इसे बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन पंखों की उड़ान में इतिहास को महसूस कर सकें।

टिप्पणी

समाधान ढूंढना सही दृष्टिकोण

क्या अब ये बात भरोसे के साथ कही जा सकती है कि न्यायपालिका ने अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा कर ली है? आखिर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की धारणा इस हद तक क्यों पहुंच गई कि पाठ्य-पुस्तक में उसका जिक्र होने लगा?

एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की किताब में न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियों के जिक्र से बार एसोसिएशन के साथ-साथ प्रधान न्यायाधीश भी आहत हुए। पुस्तक में जिन चुनौतियों का उल्लेख है, उनमें विचाराधीन मुकदमों की विशाल संख्या, न्यायाधीशों की कमी, और न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोप शामिल हैं। न्यायपालिका में इससे इतनी नाराजगी फैली कि प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया। कहा कि कि संस्था के प्रमुख के बतौर उसकी प्रतिष्ठा की रक्षा करना उनका कर्त्तव्य है।

उधर बार एसोसिएशन ने सवाल उठाया कि किताब में संसद में आपराधिक छवि के व्यक्तियों की मौजूदगी और शासन के दूसरे क्षेत्रों में मौजूद भ्रष्टाचार की चर्चा एनसीईआरटी ने क्यों नहीं की? चूंकि न्यायपालिका के पास अवमानना कार्यवाही की ताकत है, इसलिए प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणियों का तुरंत असर हुआ। एनसीईआरटी ने संबंधित किताब पर अफसोस जताते हुए उसकी बिक्री तुरंत रोक दी और उस हिस्से को हटाने का एलान किया, जिस पर विवाद खड़ा हुआ। मगर क्या न्यायपालिका से जुड़े लोग ये बात भरोसे के साथ कह सकने की स्थिति में हैं कि अब उन्होंने अपनी संस्था की प्रतिष्ठा की रक्षा कर ली है?

क्या उनके लिए यह प्रश्न उठाना बेहतर नहीं होता कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की धारणा इस हद तक क्यों पहुंच गई कि पाठ्य-पुस्तक में उसका जिक्र होने लगा? क्या यह अधिक उचित एवं सकारात्मक नजरिया नहीं होता कि वे ऐसी धारणा की जड़ तक पहुंचेंगे और उसका निवारण करेंगे? इस बात से कोई इनकार नहीं है कि बात सभी जगहों पर मौजूद खामियों की होनी चाहिए। मगर एक जगह खामी है, तो उससे दूसरे स्थलों पर मौजूद बुराइयों को सही बताने का तर्क तो नहीं मिल जाता? सार्वजनिक लाभ के नजरिए से कहा जाता है कि धूप सर्वश्रेष्ठ कीटाणु नाशक है- यानी पारदर्शिता भूल-सुधार का आरंभिक उपाय है। अतः संदेह, आरोप, या धारणाओं को दबाने की कोशिश के बजाय उनसे संबंधित तथ्यों को सामने लाना, उन पर बहस करना और जहां समस्या नजर आए उसका समाधान ढूंढना सही दृष्टिकोण माना जाएगा। और उससे ही विभिन्न संस्थाओं सहित पूरे राज्य-तंत्र की प्रतिष्ठा सुरक्षित हो सकेगी।

ब्लॉग

ट्रंप ने पिछले एक वर्ष में दुनिया को हांका

हरिशंकर व्यास

देश-सभ्यता विशेष को व्यक्ति विशेष कितना तबाह कर देता है और संविधान, सुप्रीम कोर्ट कैसे देश बचाने की ढाल बनते हैं, इसका प्रमाण आज अमेरिका है। उस नाते अमेरिका के ढाई सौ साल और भारत की स्वतंत्रता, संविधान के आठ दशकों का क्या फर्क है? भारत ने कुछ ही दशकों में संविधान से सरकार को 'हम भारत के लोग' का माईबाप बना दिया। संस्थाएं बिना रीढ़ की हो गईं। नतीजतन 140 करोड़ लोग खैरात से भय, भूख, भक्ति की जिंदगी जी रहे हैं।

ठीक विपरीत ढाई सौ साल पुराने अमेरिकी संविधान को खंगालें तो एकमात्र डोनाल्ड ट्रंप वह राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने संविधान-संस्थाओं को बेशर्मी से ठेंगा दिखाया। संविधान के एक आपातकालीन प्रावधान के हवाले टैरिफ के वे मनमाने फरमान निकाले, जिससे दुनिया में त्राहिमाम हुआ। पर अमेरिका के नागरिकों ने ही इस मनमानी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी! और सुप्रीम कोर्ट के छह जजों ने (तीन विरोध में) बहुमत से दो टूक यह फैसला दिया, ट्रंप के टैरिफ अवैध हैं! दुनिया में कितने ऐसे सुप्रीम कोर्ट हैं, जिनके जजों में ऐसी रीढ़ की हड्डी है? ट्रंप ने भी पिछले कार्यकाल में अपने जज नियुक्त किए थे। उनमें से भी राष्ट्रपति के फैसलों को अवैध करार देने वाले जज थे। चीफ जस्टिस सहित सभी नौ जजों ने जांच-तौल में लिखे गए प्रावधानों की व्याख्या तर्कों के साथ की और साफ बहुमत से ट्रंप के फैसलों को अवैध करार दिया।

ट्रंप का बौखलाना स्वाभाविक था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और जजों के खिलाफ विदेशी प्रभाव से लेकर कुत्ते जैसे जुमलों तक से हमला किया। और यह भी अमेरिकी संविधान की इस बुनियाद पर है कि नागरिक का मूलभूत अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता में कुछ भी कहने, यानी उसकी अभिव्यक्ति की आजादी का अबाध हक है। राष्ट्रपति डराएं, धमकाएं, कार्यपालिका को मनमाफिक चलाएं, सुप्रीम कोर्ट का जज न डरेगा, न चिंता करेगा। वह संविधान के प्रति प्रतिबद्धता में वही फैसला देगा जो संविधान का सत्य है और उसकी जो समझ या व्याख्या है।

सरकार या राष्ट्रपति से डरना, या कानून मंत्रियों की दखलंदाजी का अमेरिकी न्यायपालिका में कोई अर्थ नहीं है। न्यायपालिका की वैसी ही पृथक सत्ता है जैसी विधायिका-संसद की अपनी पृथक स्वतंत्रता है, तो बतौर कार्यपालिका के प्रमुख राष्ट्रपति का पावर भी पृथक और स्पष्ट है। तभी सुप्रीम कोर्ट ने संविधान-प्रदत्त आपातकालीन प्रावधानों के हवाले ट्रंप के टैरिफ अवैध करार दिए तो ट्रंप ने फटाफट अपने दूसरे अधिकार से 15 प्रतिशत टैरिफ का नया आदेश निकाला। पर इस आदेश के टैरिफ पांच महीने ही मान्य रहेंगे। फिर संसद जाना पड़ेगा। इस प्रावधान में टैरिफ लगाने की सीमा पंद्रह प्रतिशत ही है। जाहिर है, ऐसा करके ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट की परवाह न करने, मतलब अपने अहंकार को फिर दर्शाया।

इससे बदनामी, भद किसकी हो रही है? पूरी दुनिया और खासकर यूरोप के असल लोकतांत्रिक देशों में किसकी वाहवाही है? अमेरिका और अमेरिकी संविधान की। ट्रंप की नाराजगी की बिना चिंता किए वैश्विक मीडिया और नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सत्ता के संतुलन की जीत बताया। मतलब कोर्ट ने कार्यपालिका (राष्ट्रपति) की सीमाओं को स्पष्टता से दर्शाया है कि अमेरिका में कोई भी शाखा अवैध रूप से अधिक शक्ति नहीं ले सकती। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा, 'लोकतंत्र में पावर काउंटरवेट्स (जांच-तौल) आवश्यक हैं'। कनाडा सरकार ने और हिम्मत दिखाई, 'तो टैरिफ गैरकानूनी साबित'! और तो और ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने संवैधानिक संतुलन (चेक-बैलेंस) के पक्ष में फैसला सटीक बताया।

सोचें, दुनिया ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले से कैसी राहत ली होगी? मन ही मन अमेरिका का कैसा मान बना होगा। आश्चर्य नहीं होगा यदि यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन आदि ट्रंप प्रशासन की दादागिरी में हुए व्यापार समझौते को खारिज करें या टाल दें। मंगलवार को ट्रंप संसद के साझा सत्र में 'स्टेट ऑफ द यूनियन' भाषण देंगे। उन्हें ठीक सामने बैठे सुप्रीम कोर्ट के जज भी सुनेंगे। संभव है यह मौका कुछ अनहोनी लिए हुए हो। नामुमकिन नहीं कि ट्रंप सामने बैठे जजों को भला-बुरा कहें। या उनके भक्त रिपब्लिकन सांसद बनाम डेमोक्रेटिक सांसदों में राजनीतिक भिड़ंत हो! राष्ट्रपति ट्रंप ने विधायिका यानी संसद पर भी दबिश बनाई हुई है। पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से संसद के ही टैरिफ अधिकारों की पुष्टि है, तो सांसदों पर राष्ट्रपति के भड़भड़ाया भाषण का विशेष असर नहीं होगा। लेकिन हंगामा तो संभव है।

जो हो, मूल सवाल है– अमेरिका का ऐसा बेजोड़ होना किस कारण से है? मेरा मानना है एकमेव वजह अमेरिकी नींव, संविधान है। और ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका उन स्वतंत्रचेता मनुष्यों से निर्मित है जिनकी मूल वृत्ति (बेसिक इंस्टिंक्ट) आकाश में उड़ने, स्वतंत्रता से जीने तथा मन का कुछ करने का लक्ष्य होता है। तभी दुनिया भर के और स्वतंत्रता के बाद भारत के भी पढ़े-लिखे, पुरुषार्थी लोग सर्वाधिक अमेरिका गए। सभी अमेरिका के परिवेश में अपने अवसर मानकर गए। इस ललक के साथ कि वे कुछ बनें, खिलें और जिंदगी संतोष, सुरक्षा, स्वाभिमान से जिएं। सवाल है, क्यों अमेरिका में यह ज्यादा संभव है? इसलिए क्योंकि सरकार, कार्यपालिका, अफसर-बाबुओं का जिंदगी में न्यूनतम दखल है (ट्रंप ने इसे भयावह तौर पर बिगाड़ा है) और खुली सांस में जीना संभव है। दूसरे शब्दों में अमेरिका जहां सौ फूल खिलने का सांस्कृतिक आधार लिए हुए है, तो उस गरुड़-बाज मानसिकता का वह परिवेश भी है जिसमें बुद्धि, मेहनत, जोखिम और पूंजी के बूते असंभव को संभव बनाना आम व्यक्ति के लिए भी मुमकिन है। हकीकत है कि कोलंबस ने अमेरिका खोजा तो उसके बाद 17वीं सदी में इंग्लैंड, नीदरलैंड, स्पेन, फ्रांस आदि से लोग धार्मिक उत्पीड़न, कराधान और सामंती नियंत्रण से मुक्ति के लिए अमेरिका गए। तब समुद्री यात्रा की जोखिमों से पार पाकर जो भी अमेरिका पहुंचा, वह दुस्साहसी पुरुषार्थी था। सभी में यह जिद थी कि हमें कुछ बनना है, बनकर दिखाना है और जो भुगता है उसे नई दुनिया में नहीं पनपने देना है। हां, मूल यूरोपीय विस्थापितों ने ही अपने आपको नई दुनिया कहा या माना, तो वजह यूरोप के तब के हालातों से तौबा थी। इसलिए नई दुनिया में किसी की अधीनता नहीं। हर नागरिक बंदूक रखकर रक्षा का अधिकारी। हमारा कोई मालिक नहीं। हम स्वयंभू अपने मालिक हैं। तभी इतिहास में यह तथ्य दर्ज है कि 1620 में मेफ्लावर से आए तीर्थयात्रियों ने अपना एक लिखित अनुबंध बनाया, जो स्वशासन यानी आत्म-शासन की शुरुआती मिसाल था। इसी कारण 1787 का संविधान बना तो वह मात्र शासन का दस्तावेज नहीं था, बल्कि राजा, सामंत, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री आदि की सत्ता से भयमुक्ति का दस्तावेज भी था। मतलब नई दुनिया में वह कुछ नहीं होगा जो 17वीं सदी में इंग्लैंड, नीदरलैंड, स्पेन, फ्रांस आदि के सामंती शासनों में था।

इसलिए अमेरिका की खोज, 'नई दुनिया' का निर्माण, वह मानसिक खोज भी थी, जिससे मनुष्य ने स्वतंत्रता की गारंटी सुनिश्चित की। स्वशासन बनाया। संविधान निर्माताओं ने अपनी 'नई दुनिया' को ऐसी संस्थाओं से गूंथा, जिनका प्राथमिक काम एक-दूसरे पर निगरानी रखना और नागरिकों का स्वतंत्र जीवन सुनिश्चित बनाए रखना है। इसलिए वहां विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका की एक-दूसरे पर निर्भरता नहीं है, बल्कि पृथकता से एक-दूसरे पर निगरानी, चेक-बैलेंस के पुख्ता ढांचे में ढली हुई है।

हमें अंदाज नहीं है कि अमेरिका की संघीय व्यवस्था में एक स्टेट, उसका गवर्नर, उसका मेयर कितना स्वयंभू और शक्तिशाली होता है, तो विधायिका, स्टेट न्यायपालिका कितनी सशक्त है। और विकेंद्रीकृत व्यवस्था में राष्ट्रपति ट्रंप का अर्थ केंद्रीय सरकार, अंतरराष्ट्रीय संबंधों का वह महाबली है, जिससे दुनिया कंपकंपाए, पर अमेरिकी नागरिक नहीं खौफ खाता। इसलिए क्योंकि अमेरिका में संविधान का चेक-बैलेंस काम करता हुआ है। और संविधान क्यों? जेम्स मेडिसन का एक अच्छा वाक्य है, 'यदि मनुष्य देवदूत होते, तो किसी सरकार की आवश्यकता ही न होती'। पर क्योंकि मनुष्य पूर्ण, निष्कपट या निष्पाप नहीं है, पशुगत अहंकारी वृत्ति-प्रवृत्ति का मारा है, तो समाज में व्यवस्था बनाए रखने के लिए शासन और संस्थाओं की आवश्यकता है। और यदि इस सबका केंद्र एक व्यक्ति बन जाए, तो वह वैसे ही लोगों को, देश-दुनिया को हांकेगा जैसे डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले एक वर्ष में दुनिया को हांका है।

'ईरान के लिए इतना दर्द है तो वहीं चले जाओ...', संभल के सीओ ने लोगों को दी चेतावनी

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में आगामी त्योहारों को लेकर आयोजित एक बैठक के दौरान सीओ (क्षेत्राधिकारी) कुलदीप कुमार का बेहद सख्त और तीखा अंदाज देखने को मिला। पीस कमेटी की बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया कि भारत की धरती पर दूसरे देशों के विवाद के नाम पर माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कड़ा इलाज किया जाएगा। अलविदा जुमा और ईद-उल-फितर की नमाज को लेकर कोतवाली में आयोजित बैठक के दौरान सीओ कुलदीप कुमार का एक बयान अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे वैश्विक तनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा- कुछ लोगों को ईरान-इजरायल विवाद को लेकर बहुत ज्यादा खुजली मची हुई है। वे भारत में बैठकर उस पर प्रतिक्रिया देना चाहते हैं।

उन्होंने तंज कसते हुए आगे कहा कि जो लोग यहां बैठकर दूसरे देशों के लिए प्रदर्शन करने की सोच रहे हैं, वे यह जान लें कि भारत सरकार का विमान वहां फंसे भारतीयों को लाने जा रहा है। अगर किसी को इतना ही दर्द महसूस हो रहा है, तो वे उसी विमान में बैठकर ईरान चले जाएं और वहीं जाकर लड़ाई में शामिल हो जाएं।

कानून-व्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस

बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार और सीओ ने साफ संदेश दिया कि नमाज या त्योहार के दौरान किसी भी देश के समर्थन या विरोध में नारेबाजी, पोस्टरबाजी या प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि दूसरे देशों के झगड़ों का असर भारत की कानून-व्यवस्था पर नहीं पड़ने दिया जाएगा।

भाईचारे की अपील और प्रशासन की सख्ती

अधिकारियों ने दो टूक कहा कि भारत में रहने वाला हर शख्स सबसे पहले भारतीय है और यहां अमन-चैन बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। सीओ ने कहा कि यदि किसी ने भड़काऊ गतिविधि या माहौल बिगाड़ने की कोशिश की, तो पुलिस उनसे सख्ती से निपटेगी। प्रशासन की इस चेतावनी का उद्देश्य त्योहार को शांति और भाईचारे के साथ संपन्न कराना है।

कांग्रेस नेता इमारन प्रतापगढ़ी का पलटवार

उधर, कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने इस पर कहा- संभल के CO से कोई पूछे कि जो इजराइल को फादरलैंड बता रहे हैं, नेतन्याहू और ट्रम्प के नाम पर सोशल मीडिया पर अपने ही हमवतन भाईयों को गालियां दे रहे हैं उनका इलाज कौन करेगा? क्या लोकतांत्रिक देश में वर्दी पहने व्यक्ति कि ये भाषा मान्य होनी चाहिये। संभल पुलिस के अधिकारियों ने पीस कमेटी की मीटिंग में जो भाषा इस्तेमाल की वो कम से कम अमन और भाईचारे वाली तो बिल्कुल भी नहीं थी। यूपी पुलिस से अनुरोध है कि अपने इस अधिकारी को संविधान की प्रस्तावना तो सही से याद करवा दें। ताकि वो ये समझ सकें कि भारत में सभी नागरिकों के जो मौलिक अधिकार हैं उसे पुलिसिया डंडे से छीनने की इजाजत संविधान नहीं देता है।

डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक

डायरिया रोको अभियान की तैयारियों पर भी हुई चर्चा

आर्यावर्त संवाददाता

फर्रुखाबाद। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में शुक्रवार को 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में आगामी स्टॉप डायरिया कैंपेन (डायरिया रोको अभियान) को लेकर तैयार की जा रहीं योजनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सर्वेश यादव ने डायरिया नियंत्रण व रोकथाम के लिए इस वित्तीय वर्ष में किये गए कार्यों को सराहा।

स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पी. एस. आई. इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से यह बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक (डीसीपीएम) रणविजय सिंह ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत आयोजित की गयीं समस्त गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी । इसके साथ ही आगामी स्टॉप डायरिया कैम्पेन के तहत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की तैयारियों पर भी चर्चा की। इन गतिविधियों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर डायरिया को लेकर आई जागरूकता के बारे में भी बताया। बैठक में विद्यालय स्तर पर आयोजित की गयीं जागरूकता गतिविधियों, 80 शासकीय भवनों में डिजिटल दीवार लेखन तथा 497 फ्रंट लाइन वर्कर के अभिमुखीकरण के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया।

बैठक में अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर राजीव पाठक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से चिकित्सा अधीक्षक, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक, ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक, एआरओ, आईओ, हेल्थ पार्टनर्स, पी.एस.आई. इंडिया से अमरीश कुमार पाण्डेय व अनुपम मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

विधानसभा चुनाव से पहले उद्योगपति प्रेम में डूबे विधायक को लेकर हो रहीं हैं तरह-तरह की चर्चा

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जनपद के एक ऐसे भी विधायक हैं जो देश के एक उद्योगपति के पैसे से फीता काटकर विधानसभा चुनाव से पहले क्षेत्र में विकास का कार्य गिनाते फिर रहें हैं। विधायक जी इन दिनों अपने कार्य से कहीं ज़्यादा देश के जाने-माने एक उद्योगपति के गुणगान में ज्यादा तल्लीन हुए हैं, जिन्हें लेकर क्षेत्र में खूब खुसूर-फूसूर भी हो रहीं है। आलम यह है कि सत्ता सुख भोगते आ रहे विधायक ज़ी की अबकी नैया पार होने की डगर भी कठिन होती हुई दिखाई देने लगी है। जनचर्चाओं पर गौर करें तो विधायक जी देश के चर्चित उद्योगपति की परियोजना को लेकर खुद ही वाहवाही लूटने में सफल दिखाई दिए हैं तो उक्त उद्योगपति द्वारा इन दिनों क्षेत्र में कराएं जा रहें कार्यों का फीता काट सुर्खियों बटोरने से लेकर इसका श्रेय भी लेने से तनिक भी पीछे नहीं हैं। हालांकि सुर्खियों और श्रेय के साथ विधायक ज़ी को लोगों के विरोध का भी सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें उजाड़कर, जंगलों और हरियाली को नष्ट कर विकास की बात करने वालों को भी इसका खामियाजा आज नहीं तो कल भुगतना ही होगा, चाहें वह भले ही विधायक ही क्यों न हो। ग्रामीणों का कहना है कि विधानसभा चुनाव में वह जमकर न केवल विरोध का स्वर तेज़ करेंगे बल्कि उनका सीधा नारा होगा जल-जंगल और वन्य जीव विरोधी जनप्रतिनिधि नहीं चाहिए, नहीं चाहिए....! बहरहाल, विधायक ज़ी इन दिनों सुर्खियों में हैं उनके सुर्खियों में छाए रहने की वज़ह भी साफ है वह है उनका उद्योगपति प्रेम में गोते लगाना, यह प्रेम क्यों इसे भी जनता जनार्दन बख़ूबी समझ रहीं हैं। आख़िरकार समझें भी क्यों न जनाब आप जनप्रतिनिधि हैं तो यह भी जनता जनार्दन है सब समझतीं है।

एचपीसीएल के दो अधिकारियों की हत्या का मामला... बदायूं पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, एनकाउंटर में आरोपी अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में एचपीसीएल प्लांट में दो अधिकारियों की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तमंचा बरामद करने गई पुलिस टीम पर उसने फायरिंग कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैरों में गोली लग गई।

थाना मूसाझाग क्षेत्र के ग्राम सैंजनी स्थित एचपीसीएल प्लांट में 12 मार्च को अजय प्रताप सिंह (34) पुत्र राजेश कुमार सिंह निवासी ग्राम सैंजनी ने प्लांट के दो अधिकारियों सुधीर गुप्ता (58) निवासी वृंदावन रेजिडेंसी बरेली और हर्षित मिश्रा (34) निवासी मोहल्ला साहूकारा, पूरनपुर (पीलीभीत) को गोली मार दी थी। दोनों को गंभीर हालत में सीएचसी दातागंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

क्या है मामला?

घटना के संबंध में प्लांट कर्मी जीशान अंसारी की तहरीर पर थाना मूसाझाग में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह एचपीसीएल प्लांट में वेंडर का काम करता था और नौकरी से निकाले जाने तथा मुकदमा दर्ज कराए जाने की रंजिश में उसने दोनों अधिकारियों की हत्या की।

शुक्रवार को पुलिस आरोपी को लेकर घटना में प्रयुक्त तमंचा बरामद करने ग्राम मुडसैना के जंगल में पहुंची। इस दौरान आरोपी ने छिपाए गए तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिससे कांस्टेबल ओमबीर सिंह के बाएं हाथ में गोली लग गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगने से वह घायल हो गया।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा व दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। घायल आरोपी और सिपाही को उपचार के लिए जिला अस्पताल बदायूं में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

अकीदत के साथ अदा की गई अलविदा जुमे की नमाज, मस्जिदों पर रही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

लालगंज, मीरजापुर। स्थानीय क्षेत्र के मस्जिदों में पवित्र माह रमज़ान के अलविदा जुमे की नमाज अकीदत और एहतराम के साथ शुक्रवार को अदा की गई। नमाज के लिए सुबह से ही मस्जिदों में बड़ी संख्या में रोजेदार और नमाजी जुटने लगे। मस्जिदों में नमाज अदा करने के दौरान नमाजियों ने देश में अमन-चैन, भाईचारा और तरक्की की दुआ मांगी। इस दौरान मस्जिदों के आसपास पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए भ्रमण करती रही। अलविदा जुमे के मौके पर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मस्जिदों के आसपास पुलिस बल तैनात रहा और प्रशासनिक अधिकारी भी व्यवस्था पर नजर बनाए हुए थे ताकि नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर लिखा था आपत्तिजनक नारा, दो युवतियों सहित तीन अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले शरारती तत्वों के खिलाफ सहारनपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हाईवे के एलीवेटेड रोड पर आपत्तिजनक और सांप्रदायिक टिप्पणी लिखने के मामले में पुलिस ने दो युवतियों और एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

मामला कुछ दिन पहले का है, जब दिल्ली-देहरादून हाईवे के एलीवेटेड रोड पर अज्ञात लोगों ने स्प्रे पेंट का इस्तेमाल कर अंग्रेजी में एक विवादित संदेश लिखा था। संदेश में एक विशेष समुदाय के हाईवे पर प्रवेश को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। लिखा था- ये रोड

मुसलमान के लिए नहीं है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल गया, जिसके बाद स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया यूजर्स ने कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। मामला संवेदनशील होने के कारण हाईवे पर लिखे इन शब्दों को लेकर काफी हंगामा हुआ।

वीडियो बनाकर पुलिस को दी थी चुनौती

घटना के बाद NHAI (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के कर्मचारियों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी हिंदू रक्षा दल से जुड़े हुए हैं। कार्रवाई के बीच ही आरोपियों के कुछ और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिनमें वे पुलिस और प्रशासन को खुलेआम चुनौती देते नजर आए थे। इन वीडियो ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए, जिसके बाद पुलिस ने उनकी धरपकड़ के लिए दबिश तेज कर दी।

कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तारी

पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर देहरादून और आसपास के इलाकों में छापेमारी की। आखिरकार, नफरती संदेश लिखने वाली मुख्य आरोपी दो युवतियों और उनकी मदद करने वाले एक युवक को पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों का मुख्य उद्देश्य सांप्रदायिक तनाव पैदा करना और माहौल बिगाड़ना था। पुलिस ने कहा- जिले में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सोशल मीडिया पर निगरानी रखी जा रही है और नफरत फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मधुमक्खियों का आतंक : अस्पताल परिसर बना खतरे का जोन, दहशत में मरीज

हलिया, मीरजापुर। स्थानीय विकास खंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों मधुमक्खियों के आतंक से जूझ रहा है। अस्पताल परिसर में लगे पीपल के पेड़ पर मधुमक्खियों ने कई की संख्या में बड़ा छत्ता बना लिया है, जिससे स्वास्थ्य केंद्र आने वाले मरीजों, तीमारदारों और कर्मचारियों में डर का माहौल बना हुआ है। पेड़ के पास से गुजरते समय जरा सी हलचल होने पर मधुमक्खियां आक्रामक हो जाती हैं और डंक मार देती हैं। प्रसव के लिए आने वाली महिलाओं और छोटे बच्चों के लिए यह स्थिति अधिक जोखिम भरी बनी हुई है। इलाज कराने आए सूरज कोल, कृष्णानंद, वीरेन्द्र और जनार्दन आदि ने बताया कि अचानक मधुमक्खियों का झुंड आने से लोगों को बचते बचाते बाहर निकलना पड़ा।वहीं स्वास्थ्य कर्मी भी गेट बंद कर अंदर से ही कार्य करते रहे। शुक्रवार को पर्चा बनवाने आए छोटे बच्चे अविनाश पर भी मधुमक्खियों ने हमला कर दिया।

जीजा-साली की लड़ाई में पति ने मारी एंट्री... गुस्साए साढू ने लोहे की रॉड से पीटा, टूट गए हाथ-पैर

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के अस्तौली गांव में एक युवक की पत्नी से उसके साढू ने बदसलूकी की। पति ने इसका विरोध किया दो साढू के साथ उसकी बहसबाजी हो गई। बाद में साढू ने दोस्तों के साथ मिलकर उसकी पिटाई कर डाली। इस हमले में युवक की दोनों टांगें और एक हाथ की हड्डी टूट गई। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, दनकौर क्षेत्र के अस्तौली गांव निवासी मोहित कुछ दिन पहले अपनी पत्नी के साथ बुलंदशहर जिले के एक गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर मोहित के साढू और उसकी पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि साढू ने मोहित की पत्नी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब मोहित ने इसका विरोध किया तो दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। उस समय मामला किसी तरह शांत तो हो गया, लेकिन आरोप है कि साढू ने जाते-जाते मोहित को देख लेने और जान से मारने की धमकी दी थी।

पीड़ित के भाई अभिषेक भाटी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया- बुधवार को मोहित किसी जरूरी काम से सिकंदराबाद की ओर जा रहा था। इसी दौरान चीती गांव के पास एक कार ने उसकी बाइक को ओवरटेक कर रोक लिया। आरोप है कि कार में मोहित का साढू और उसके चार अन्य साथी सवार थे। बाइक रुकते ही सभी लोग नीचे उतरे और मोहित पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में मोहित संभल नहीं पाया और आरोपियों ने उसे बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। उन्होंने मोहित को इतनी बुरी तरह पीटा कि उसके दोनों पैर और एक हाथ की हड्डियां टूट गईं। इसके अलावा शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि कार सवार आरोपी मोहित को मरा हुआ समझकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित के परिजनों ने शुक्रवार को पुलिस को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिजनों का कहना है कि यह हमला पूरी तरह से सुनियोजित था और आरोपियों ने रास्ते में घेरकर जान से मारने की नीयत से हमला किया था। परिजनों का यह भी कहना है कि अगर समय रहते लोगों की नजर मोहित पर नहीं पड़ती, तो उसकी जान भी जा सकती थी। फिलहाल, परिवार अस्पताल में घायल मोहित के इलाज में जुटा हुआ है। इस पूरे मामले में दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

नोएडा में गैस की किल्लत या सिर्फ अफवाह? जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया- क्यों नहीं हो रही बुकिंग?

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर जिले में इन दोनों एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग को लेकर उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों की शिकायत है कि गैस बुकिंग के लिए दिए गए मोबाइल नंबरों पर कॉल करने पर नंबर व्यस्त आता है। कॉल कनेक्ट नहीं होती या अन्य तकनीकी समस्याएं सामने आ रही है। इन दिक्कतों के चलते उपभोक्ताओं में यह भ्रम भी पैदा हो रहा है कि कहीं गैस सिलेंडर की आपूर्ति में कमी तो नहीं हो गई है? जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम ने इस संबंध में स्पष्ट किया है कि गैस की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है।

उन्होंने बताया कि सरवर पर

अधिक दबाव होने के कारण कभी-कभी बुकिंग नंबर व्यस्त या कनेक्ट नहीं हो पाता, जिससे उपभोक्ताओं को असुविधा होती है। और वो गैस बुक नहीं कर पाते। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वो घबराएं नहीं और गैस बुकिंग के लिए गैस कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई वैकल्पिक डिजिटल माध्यम का उपयोग करें।

जिला आपूर्ति अधिकारी के अनुसार गैस कंपनियों ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए कई स्मार्ट बुकिंग विकल्प उपलब्ध कराए हैं। इनमें व्हाट्सएप मिस कॉल एसएमएस और आईवीआरएस सिस्टम के जरिबी गैस सिलेंडर की बुकिंग की जा सकती है। इसके अलावा मोबाइल एप और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है। इन माध्यमों के जरिए उपभोक्ता आसानी से घर बैठे अपनी गैस बुक कर सकते हैं और एजेंसी पर अनावश्यक भीड़ से बच सकते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि गैस बुकिंग के लिए उपभोक्ता व्हाट्सएप नंबर 7588888824 मिस्ड कॉल नंबर 8454 955555 और एसएमएस आईवीआरएस नंबर 7718955555 का उपयोग कर सकते हैं। इन नंबरों के जरिए उपभोक्ता अपनी बुकिंग दर्ज कर सकते हैं और बुकिंग से संबंधित जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। गैस कंपनियों की यह सेवा राष्ट्रीय स्तर पर संचालित होती है जिससे उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होती।

नोएडा में उपभोक्ताओं ने किया हंगामा रोड किया जाम

गैस सिलेंडर की भारी किल्लत को देखते हुए आज नोएडा के सेक्टर-18 में गैस एजेंसी और गोदाम के बाहर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए और सिलेंडर न मिलने पर हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद सूचना पर मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंची और सभी लोगों को शांत कराया। गैस एजेंसी संचालक का ये कहना है कि ज्यादातर ऐसे लोग सिलेंडर लेने आ रहे हैं, जिनका हमारे पास कनेक्शन ही नहीं है। लेकिन फिर भी लोग अनावश्यक रूप से गोदाम और एजेंसी के बाहर भीड़ इकट्ठा कर रहे हैं। इस पूरे मामले में जिला प्रशासन का कहना है कि प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उपभोक्ताओं को संयम बरतनी की जरूरत है उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन लोगों से अपील की है कि वह गैस बुकिंग के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करें और अफवाह पर ध्यान ना दें।

गैस एजेंसी के बाहर लगी सिलेंडर लेने वालों की भीड़

इन सबके बीच अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि आखिर गैस की किल्लत एक साथ क्यों हो गई। इसका जवाब अभी तक किसी के पास नहीं है। गौतम बुद्ध नगर में पिछले दो दिनों से अलग-अलग जगह से गैस एजेंटीयों या गोदाम के बाहर लोगों की लंबी-लंबी कतारें देखने के लिए मिल रही हैं। इन सबके बीच जिला आपूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम का कहना है कि ज्यादातर गोदाम और गैस एजेंसी के बाहर वह लोग ज्यादा इकट्ठा हो रहे हैं, जिनके पास कोई भी पर्याप्त गैस कनेक्शन नहीं है वो सभी रोजमर्रा की तरह ब्लैक में सिलेंडर खरीद रहे हैं। आने वाले दो दिनों में यह स्थिति सामान्य हो जाएगी इसके लिए प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है।

नवरात्र मेले के दृष्टिगत तेज़ हुई तैयारियां

मीरजापुर। आगामी चैत्र नवरात्र मेले को सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने अपर जिलाधिकारी अजय कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश कुमार सिंह के साथ पुरानी वीआईपी मार्ग, पक्का घाट तथा विंध्य कॉरिडोर छत तथा नीचे पूरा परिक्षेत्र का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि कॉरिडोर के छत पर पान और गुटखे की थूक के दाग तथा खिड़की और जगह जगह लगे जाले की साफ सफाई के निर्देश दिया। कॉरिडोर के कमरों की निरीक्षण किया गया ऊपर कमरे में तार की पाइप दीवार के ऊपर खुला लगा हुआ होने से उसको दीवार के अंदर लगाने, फायर बिग्रेड के मोटे पाइप को भी दीवार के अंदर करने निर्देश दिया। उन्होंने जगह जगह छत पर गंदे और लगे जाले तथा टूटे फारसीलिंग को सही कराने के निर्देश दिया।

पसीने की बदबू से शर्मिंदगी, गर्मी में ये 7 तरीके पहुंचाएंगे राहत

गर्मियों का मौसम शुरु होने वाला है। इस मौसम में पसीना सबसे ज्यादा आता है। कई लोगों को पसीने में काफी बदबू भी आती है, जो शर्मिंदगी की वजह बनती हैं। ऐसे में चलिए आपको बताते हैं कुछ आसान उपाय जो पसीने की बदबू से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं।

गर्मी का मौसम आते ही पसीना आना एक आम बात है, लेकिन कई लोगों के लिए पसीने की बदबू बड़ी परेशानी बन जाती है। खासकर जब आप ऑफिस, कॉलेज, यात्रा या किसी भी भीड़भाड़ वाली जगह पर हों और अचानक शरीर से आने वाली तेज बदबू आपको शर्मिंदा कर देती है। कई बार साफ-सफाई रखने के बावजूद भी यह समस्या बनी रहती है, जिसका असर कॉन्फिडेंस और पर्सनैलिटी पर भी पड़ता है। दरअसल, पसीना खुद में बदबूदार नहीं होता, लेकिन जब यह त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया के संपर्क में आता है तो बदबू पैदा होने लगती है। गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने के कारण पसीना ज्यादा आता है, जिससे यह समस्या और भी बढ़ जाती है। कई लोग इस परेशानी से बचने के लिए महंगे डियोडरेंट या परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इनका असर अक्सर थोड़े समय के लिए ही रहता है।

ऐसे में जरूरी है कि इस समस्या का हल केवल ऊपर-ऊपर से नहीं, बल्कि सही आदतों और घरेलू उपायों के जरिए किया जाए। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान और असरदार तरीकों को अपनाकर पसीने की बदबू से काफी हद तक राहत पाई जा सकती है। अगर आप भी पसीने की बदबू से परेशान रहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम जानेंगे 7 ऐसे आसान तरीके जो गर्मियों में राहत फैलाएंगे।

ढीले और सूती कपड़े पहनें

गर्मी में टाइट और सिंथेटिक कपड़े पहनने से पसीना ज्यादा आता है और बदबू की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए कोशिश करें कि ढीले और सूती कपड़े पहनें, क्योंकि ये पसीने को आसानी से सोख लेते हैं और शरीर को सांस लेने का मौका देते हैं। ऐसे में पसीना जल्दी सूख जाता है और बदबू आने की संभावना कम हो जाती है।

बगल और पैरों की सफाई का खास ध्यान रखें

शरीर के कुछ हिस्सों जैसे बगल, पैर और गर्दन में पसीना ज्यादा आता है। इन जगहों की सफाई पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। रेगुलर रूप से इन हिस्सों को साफ रखने से बैक्टीरिया कम होते हैं और बदबू भी कम आती है।

नींबू का इस्तेमाल करें

नींबू में नेचुरल एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को कम करने में मदद करते हैं। ऐसे में नहाने से पहले बगल में हल्का सा नींबू रगड़ने से पसीने की बदबू को कंट्रोल किया जा सकता है।

पर्याप्त पानी पिएं

शरीर में पानी की कमी होने से पसीने की गंध तेज हो सकती है। इसलिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। पानी शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है और पसीने की बदबू को कम करने में सहायक होता है।

फिटकरी का पानी इस्तेमाल करें

फिटकरी में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो बदबू पैदा करने वाले कीटाणुओं को कम करते हैं। नहाने के पानी में थोड़ी फिटकरी घोलकर नहाने से शरीर तरोताजा रहता है और पसीने की बदबू भी कम हो सकती है।

सेब के सिरके का इस्तेमाल करें

सेब का सिरका (Apple Cider Vinegar) त्वचा के pH लेवल को बैलेंस करने में मदद करता है और बैक्टीरिया को कम करता है। नहाने से पहले कॉटन की मदद से थोड़ा सा सेब का सिरका बगल में लगाएं और कुछ मिनट बाद धो लें। इससे पसीने की बदबू कम हो सकती है।

डियोडरेंट या नेचुरल उपाय अपनाएं

अगर पसीना ज्यादा आता है तो हल्के डियोडरेंट या नेचुरल उपायों का सहारा लिया जा सकता है। गुलाब जल या फिटकरी जैसे घरेलू उपाय भी पसीने की बदबू को कम करने में मदद करते हैं।

गर्मियों में वजन घटाने में मदद कर सकते हैं ये 5 तरह के सलाद, जानिए रेसिपी

गर्मियों में बढ़ते वजन को कम करने के लिए खान-पान का खास ख्याल रखना जरूरी है। इसके लिए खान-पान में पोषक तत्वों से भरपूर और कम कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। इस दौरान सलाद का सेवन करना भी एक अच्छा विकल्प है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे सलाद की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन गर्मियों में वजन घटाने के साथ-साथ ताजगी प्रदान करने में मदद कर सकता है।

खीरे और पुदीने का सलाद

सबसे पहले खीरे को धोकर छील लें, फिर इसे पतले-पतले टुकड़ों में काट लें। अब एक कटोरे में खीरे के साथ बारीक कटी हुई पुदीने की पत्तियां, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस सलाद को ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखें और जब ये ठंडा हो जाए तो इसका सेवन करें। यह सलाद आपके शरीर को ताजगी और ठंडक देता है।

ककड़ी का सलाद

सबसे पहले ककड़ी को पतले-पतले टुकड़ों में काटें, फिर इसे एक कटोरे में बारीक कटी हुई पुदीने की पत्तियों, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस मिलाकर खा सकते हैं। आप चाहें तो इसमें थोड़ी सी कटी हुई हरी मिर्च और अदरक भी मिला सकते हैं। यह सलाद न केवल ताजगी प्रदान कर सकता है, बल्कि आपके शरीर को हाइड्रेट रखने में भी मदद कर सकता है।

खीरे और अनानास का सलाद

सबसे पहले एक कटोरे में बारीक कटी हुई खीरे, अनानास के टुकड़े, बारीक कटा हुआ पुदीने का पत्ता, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण में थोड़ा दही डालकर अच्छे से मिलाएं और अंत में ऊपर से कटा हुआ पिस्ता डालकर इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखें। जब यह ठंडा हो जाए तो इसका सेवन करें। यह सलाद आपके स्वाद को बढ़ाने के साथ-साथ पोषण भी देता है।

ककड़ी और अनार का सलाद

सबसे पहले एक कटोरे में बारीक कटी हुई ककड़ी, अनार के दाने, बारीक कटा हुआ पुदीने का पत्ता, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण में थोड़ा दही डालकर अच्छे से मिलाएं और अंत में ऊपर से कटा हुआ पिस्ता या बादाम डालकर इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखें। जब यह ठंडा हो जाए तो इसका सेवन करें। यह सलाद स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है।

चना और पुदीने का सलाद

सबसे पहले चने को रातभर पानी में भिगोकर छोड़ दें, फिर अगली सुबह इसे छानकर उबाल लें। अब एक कटोरे में उबले हुए चने, बारीक कटी हुई पुदीने की पत्तियां, बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर और खीरे डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इसमें स्वादानुसार काला नमक, भुना जीरा पाउडर और नींबू का रस मिलाएं। अंत में ऊपर से अनार के दाने डालकर सलाद को परोसें। यह सलाद स्वाद और सेहत का अच्छा मेल है।

यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा करने के लिए अपनाएं ये 5 हैक्स

यात्रा करना एक रोमांचक अनुभव है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं, खासकर जब बात सुरक्षा की हो। चाहे आप कहीं भी जाएं, अपने सामान की सुरक्षा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताएंगे, जिनसे आपकी यात्रा और भी सुरक्षित हो सकती है। इन हैक्स को अपनाकर आप अपने सामान को चोरी होने से बचा सकते हैं और यात्रा का आनंद ले सकते हैं।

सामान को सुरक्षित रखें

यात्रा करते समय अपने सामान को सुरक्षित रखना सबसे जरूरी है। इसके लिए आप अपने बैग पर एक छोटा ताला लगा सकते हैं या फिर लॉक करने वाले बैग का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपका सामान चोरी होने की संभावना कम होती है और आप बेफिक्र होकर यात्रा का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा जब आप किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाएं तो अपने बैग को हमेशा अपनी नजरों के सामने रखें।

जरूरी कागजात की कॉपी रखें

यात्रा के दौरान अपने जरूरी कागजात की कॉपी रखना बहुत जरूरी है। इसमें आपका पासपोर्ट, वीजा, टिकट और अन्य जरूरी कागजात शामिल हो सकते हैं। इनकी कॉपी रखने से अगर आपका मूल कागज खो जाता है या चोरी हो जाता है तो आप आसानी से नई कॉपी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा इन कागजात की डिजिटल कॉपी भी अपने फोन या टैबलेट में रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर आप इन्हें तुरंत देख सकें।

पैसे अलग-अलग जगह रखें

यात्रा के दौरान हमेशा कुछ नकद पैसे अलग-अलग जगहों पर रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर आप उनका इस्तेमाल कर सकें। उदाहरण के लिए अपने पर्स के अलावा अपनी जेब, बैग के अंदरूनी हिस्से या फिर किसी छोटे डिब्बे में भी पैसे रखें। इससे अगर आपका पर्स चोरी हो जाए तो भी आपके पास पैसे होंगे, जिनका इस्तेमाल आप कर सकते हैं। इसके अलावा आप क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मोबाइल का ध्यान रखें

आजकल मोबाइल हर किसी के लिए जरूरी हो गया है, इसलिए इसे सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। यात्रा करते समय अपने मोबाइल को हमेशा अपनी नजरों के सामने रखें और किसी भी सार्वजनिक स्थान पर उसे अकेला न छोड़ें। अगर संभव हो तो एक छोटा पाउच या केस रखें, जिसमें आपका मोबाइल सुरक्षित रहेगा। इसके अलावा अगर आपका मोबाइल खो जाए या चोरी हो जाए तो उसकी लोकेशन ट्रैक करने वाली ऐप का इस्तेमाल करें।

स्थानीय लोगों से जानकारी लें

यात्रा करते समय स्थानीय लोगों से जानकारी लेना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि वे उस जगह के बारे में बेहतर जानते हैं। वे आपको बताएंगे कि किन जगहों पर जाना सुरक्षित है और किन जगहों पर नहीं जाना चाहिए। इसके अलावा वे आपको अच्छे खाने के स्थान और बाजार आदि की जानकारी देंगे, जिससे आपकी यात्रा और भी मजेदार बनेगी। इन सरल, लेकिन प्रभावी हैक्स को अपनाकर आप अपनी अगली यात्रा को सुरक्षित और आनंदमयी बना सकते हैं।

एलपीजी सिलेंडर की 'पैनिक बुकिंग' पर सरकार की सख्त अपील, बुकिंग के नियमों में हुआ बड़ा बदलाव

देशभर में एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत की अफवाहों के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आम जनता से एक अहम अपील की है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि गैस की कोई कमी नहीं है और लोगों को पैनिक बुकिंग (घबराहट में बुकिंग) करने से बचना चाहिए। डिमांड को संतुलित करने और जमाखोरी को रोकने के लिए सरकार ने एक अस्थायी कदम उठाते हुए दो बुकिंग के बीच का न्यूनतम अंतर 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है।

अफवाहों से बिगड़ी व्यवस्था, कालाबाजारी रोकने के लिए नया सिस्टम

मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सुजाता शर्मा ने बताया कि गलत जानकारियों और अफवाहों के कारण लोगों ने बड़ी संख्या में पैनिक बुकिंग शुरू कर दी, जिससे सप्लाई चेन पर अनावश्यक दबाव पड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि औसत घरेलू एलपीजी डिलीवरी साइकिल अभी भी लगभग ढाई दिन का ही है और सप्लाई सामान्य रूप से जारी है। इसके साथ ही, डिस्ट्रीब्यूटर स्तर पर गैस की कालाबाजारी और डायवर्जन को पूरी तरह रोकने के लिए अब 'डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड' सिस्टम को सख्ती से लागू कर दिया गया है।

घरेलू उत्पादन में इजाफा, जरूरी सेक्टरों को मिलेगी प्राथमिकता

राहत की बात यह है कि देश में घरेलू एलपीजी उत्पादन में 25 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है और यह पूरा

आउटपुट सीधे घरेलू उपभोक्ताओं की रसोई तक पहुंचाया जा रहा है। वहीं, कमर्शियल उपयोग के मामले में अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों जैसे अति-आवश्यक सेक्टरों को गैस सप्लाई में प्राथमिकता दी जा रही है। रेस्टोरेंट, होटल और अन्य कमर्शियल यूज़र्स के गैस आवंटन की नए सिरे से समीक्षा करने के लिए इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के कार्यकारी निदेशकों की एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। यह समिति पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के लिए राज्य के अधिकारियों और इंडस्ट्री बॉडीज से सलाह ले रही है।

सरकार ने मंजूर किया 30 हजार करोड़ का पैकेज

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की बढ़ती कीमतों का सीधा असर आम जनता की जेब पर न पड़े, इसके लिए सरकार ने लागत का एक बड़ा हिस्सा खुद उठाने का फैसला किया है। तेल विपणन कंपनियों (ह्रूष्टह्य) के घाटे को कवर करने के लिए 30,000 करोड़ रुपये के भारी-भरकम मुआवजे पैकेज को मंजूरी दी गई है। दिल्ली में फिलहाल घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 913 रुपये है। सरकार के मुताबिक, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (क्करूड्ड) के लाभार्थियों के लिए हाल ही में हुई 60 रुपये की बढ़ोतरी का मतलब हर दिन 80 पैसे से भी कम का अतिरिक्त खर्च है।

अधिकारियों ने आंकड़े पेश करते हुए बताया कि जुलाई 2023 से सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस में 41 फीसदी के भारी उछाल के बावजूद, सरकारी मदद के कारण भारत में उज्ज्वला सिलेंडर की कीमतों में 32 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। सरकार ने जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि भारत में एलपीजी की कीमतें आज भी कई पड़ोसी देशों की तुलना में काफी कम बनी हुई हैं।

शेयर बाजार में भूचाल : बाजार खुलते ही 5 सेकंड में स्वाहा हुए 5 लाख करोड़ रुपए, सेंसेक्स-निफ्टी औंधे मुंह गिरे

मुंबई, एजेंसी। पश्चिमी एशिया में गहराते युद्ध और तनाव का सीधा और खौफनाक असर अब भारतीय निवेशकों की जेब पर दिखने लगा है। गुरुवार सुबह शेयर बाजार का कारोबारी सत्र शुरू होते ही एक ऐसा भूचाल आया जिसने निवेशकों की नींद उड़ा दी। महज 5 सेकंड के भीतर ही निवेशकों की गाढ़ी कमाई के करीब 5 लाख करोड़ रुपये पानी में बह गए। बिकवाली की इस तेज आंधी में सेंसेक्स और निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांक ताश के पत्तों की तरह ढह गए, जिससे पूरे शेयर बाजार में चौतरफा हाहाकार मच गया।

सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाया जोरदार गोता

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स अपने पिछले बंद स्तर 76,863.71 के मुकाबले सीधे 494.06 अंक का गोता लगाकर 76,369.65 पर खुला। चंद मिनटों में ही यह गिरावट और भी गहरी हो गई और सुबह सवा नौ बजे के करीब सेंसेक्स 915.72 अंक (1.19त्न) लुढ़ककर 75,947.99 के स्तर पर आ गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी का हाल भी बेहद खराब रहा। निफ्टी 192 अंकों की भारी कमजोरी के साथ 23,674.85 पर खुला और शुरुआती दबाव के चलते 264.85 अंक टूटकर 23,602.00 पर आ गया।

रिलायंस से लेकर बैंकों तकज दिग्गज शेयरों में भारी बिकवाली

बाजार के हर कोने में लाल निशान हावी दिखा और दिग्गज कंपनियों के शेयर धड़ाम हो गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे मजबूत शेयर में 0.51त्न की गिरावट देखी गई और यह 1383.95 रुपये पर आ गया। वहीं एचडीएफसी बैंक 0.65त्न और भारती एयरटेल 0.58त्न लुढ़ककर कारोबार करते दिखे। एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के प्रमुख शेयर जैसे आईटीसी, इन्फोसिस, टीसीएस और एशियन पेंट्स भी दबाव में नजर आए। सबसे ज्यादा मार ऑटो, मेटल और बैंकिंग सेक्टर पर पड़ी है। मारुति, एसबीआई, कोटक बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में 1.5त्न से लेकर 1.74त्न तक की भारी गिरावट दर्ज की गई।

विदेशी बाजारों से भी बढ़ा निराशा का दबाव

भारतीय शेयर बाजार में आई इस भयंकर गिरावट के पीछे केवल घरेलू या मिडिल ईस्ट के कारण ही नहीं, बल्कि विदेशी बाजारों का चौतरफा दबाव भी शामिल है। एशियाई बाजारों में भारी कमजोरी हावी है। जापान का निक्केई इंडेक्स 848 से ज्यादा अंक (1.54त्न) गिरकर 54,177.15 पर आ गया है। इसके अलावा, हांगकांग के हैंग सेंग और दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स ने भी एक प्रतिशत से अधिक का गोता लगाया है, जिसने दुनिया भर के साथ-साथ भारतीय निवेशकों के बीच घबराहट को और बढ़ा दिया है।

आईईए के रिजर्व जारी करने की रिपोर्ट्स के बीच कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे लुढ़की

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में बुधवार को गिरावट देखने को मिली और यह 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसल गया है। इसकी वजह आईईए द्वारा इमरजेंसी रिजर्व जारी कर कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाने के प्रस्ताव को माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी-ईरान युद्ध के बाद बढ़ी हुई कच्चे तेल की कीमतों को कम करने के लिए इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) इमरजेंसी रिजर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति पर विचार कर रहा है।

कई रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरजेंसी रिजर्व से प्रस्तावित आपूर्ति 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद दो चरणों में जारी किए गए 182 मिलियन बैरल से अधिक होगी। जी7 देशों ने आईईए से इस तरह के कदम के लिए तैयार रहने का अनुरोध किया है। इन रिपोर्ट्स के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 0.99

प्रतिशत गिरकर 86.93 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) वायदा 0.75 प्रतिशत गिरकर 82.82 डॉलर हो गया।

हाल के दिन में होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण ब्रेंट क्रूड में करीब 50 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई थी और यह 119 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया था। होर्मुज जलडमरूमध्य, मध्य पूर्व में प्रमुख समुद्री व्यापारिक मार्ग पर स्थित एक संकरा रास्ता है, जिससे दुनिया का करीब 20 प्रतिशत कच्चा तेल होकर जाता है। कच्चे तेल में गिरावट की एक वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ युद्ध जल्द समाप्त हो सकता है।

हालांकि, अमेरिका-ईरान युद्ध दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और समाधान के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछाने या उनकी तैयारी में जुटे होने की खबरों के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है। मंगलवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में कोई बारूदी सुरंगें बिछाई हैं और हमारे पास इसकी कोई रिपोर्ट नहीं है, तो हम चाहते हैं कि उन्हें तुरंत हटाया जाए! उन्होंने आगे कहा कि बारूदी सुरंगों को हटाना सही दिशा में एक बड़ा कदम होगा!

प्रधानमंत्री मोदी के मुरीद हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई PM, कहा– उन्होंने खुद को सत्ता के अहंकार से बचाया हुआ है

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट ने दिल्ली में होने वाले 'रायसीना डायलॉग' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह कार्यक्रम साल 2016 से हर मार्च में आयोजित हो रहा है। यह एक सोच का शानदार नतीजा है। एबॉट ने इसकी तुलना दुनिया के अन्य बड़े मंचों से की। उन्होंने इसे स्विट्जरलैंड के दावोस और चीन के बोआओ फोरम से बेहतर बताया। उनके अनुसार, रायसीना डायलॉग में केवल अमीर लोगों का बोलबाला नहीं रहता और न ही यह सिर्फ सरकार की तारीफ करने का जरिया है। भारत का यह मंच पूरी तरह स्वतंत्र है। प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए एबॉट ने कहा, मोदी दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेताओं में से एक हैं। इसके बावजूद उनमें दूसरों को सुनने का बड़ा गुण है। वे हर साल मुख्य अतिथि को सुनने के लिए कार्यक्रम में बैठते हैं, लेकिन खुद भाषण नहीं देते। पिछले साल उन्होंने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री और इस साल फिनलैंड के राष्ट्रपति को पूरे धैर्य के साथ सुना। एबॉट ने कहा कि शायद एक हिंदू संन्यासी के रूप में बिताए समय की वजह से मोदी में सत्ता का अहंकार नहीं आया है। वे एक दशक से ज्यादा समय से सत्ता में हैं, फिर भी बहुत विनम्र हैं।

भारत में तानाशाही के आरोपों पर एबॉट ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने इन बातों को पूरी तरह बकवास बताया। उन्होंने कहा कि जिस देश में निष्पक्ष चुनाव होते हों और मीडिया व न्यायपालिका स्वतंत्र हो, वहां तानाशाही का कोई खतरा नहीं हो सकता। उन्होंने उदाहरण दिया कि रायसीना डायलॉग में इस्राइल और ईरान, दोनों के प्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का पूरा मौका मिला। एबॉट खुद साल 2022 से इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी तानाशाह देश ऐसा खुला मंच तैयार नहीं कर सकता।

ईरान को अमेरिका की खुली धमकी, डोनाल्ड ट्रंप बोले- अब देखना इन पागलों का क्या हाल होता है

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बार फिर तीखी चेतावनी दी है। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि देखते रहिए आज इन पागलों के साथ क्या होता है।

अपने पोस्ट में ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने लिखा कि ईरान की नौसेना खत्म हो चुकी है, वायुसेना भी अब नहीं रही और उसके मिसाइल, ड्रोन व अन्य सैन्य संसाधनों को नष्ट किया जा रहा है। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के कई नेता भी मारे जा चुके हैं।

ट्रंप ने अपने संदेश में ईरान पर पिछले 47 वर्षों से दुनिया भर में निर्दोष लोगों की हत्या करने का आरोप लगाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा कि उन्होंने 47 साल तक दुनिया भर में निर्दोष लोगों को मारा है और अब मैं, अमेरिका का 47वां राष्ट्रपति, उन्हें खत्म कर रहा हूं। यह मेरे लिए बड़ा सम्मान है।

मोजतबा की धमकी के बीच ट्रंप की प्रतिक्रिया

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के नए सर्वोच्च नेता आयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी जंग के बीच अपना पहला बयान जारी किया। बयान में खामेनेई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का इस्तेमाल ताकत के रूप में किया जाना चाहिए और अमेरिका के ठिकानों पर हमले जारी रहेंगे। पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच यह उनका पहला संदेश है।

अमेरिका ने रूस से तेल खरीद की दी अस्थायी ढील

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने नोटिस जारी कर जानकारी दी कि 12 मार्च को सुबह 12 .01 बजे या उससे पहले जहाजों पर लादे गए रूसी कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों से संबंधित लेनदेन की अनुमति दी गई है, और यह आदेश 11 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। यह फैसला उस समय आया है जब बीते 14 दिनों से अमेरिका और इस्राइल का ईरान पर जारी भीषण हमला और जवाबी कार्रवाई के रूप में ईरान की ओर से इस्राइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर की जा रही बमबारी ने पूरे पश्चिम एशिया में तनाव को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है, जिसके चलते दुनियाभर में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं।

तेल बाजारों में मचा हड़कंप

इस धमकी ने वैश्विक तेल बाजार में हड़कंप मचा दिया है और सप्लाई ठप पड़ने का डर और गहरा गया। इसी बढ़ते संकट के बीच अब अमेरिका ने अचानक रुख बदलते हुए दूसरे देशों को रूसी तेल खरीदने के लिए अस्थायी मंजूरी देने का फैसला किया है।

अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पर ईरान का हमला? पोत को नुकसान होने का दावा, यूएस ने भी दिया जवाब

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका को उम्मीद थी कि उसके हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत के बाद युद्ध शायद जल्द खत्म हो जाएगा, लेकिन ईरान ने जिस तरह से पलटवार किया है, उससे अमेरिका, पश्चिम एशिया में फंसता नजर आ रहा है। अब ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिका के ताकतवर युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पर हमले का दावा किया है।

आईआरजीसी ने एक बयान में दावा किया है कि उनकी एक बैलिस्टिक मिसाइल ने अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को निशाना बनाया है। आईआरजीसी का कहना है कि इस हमले के चलते युद्धपोत काम करने की स्थिति में नहीं रह गया है और उसे खाड़ी जल क्षेत्र से पीछे हटना पड़ा है। हालांकि अमेरिका ने इस दावे को खारिज कर दिया है।

ईरान का क्या है दावा?

ईरान ने एक बयान जारी कर कहा है कि एक सटीक मिसाइल और ड्रोन हमले ने अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को निशाना बनाया है। ईरान ने कहा है कि ओमान के जलक्षेत्र में युद्धपोत पर हमला किया गया, जो ईरान की समुद्री सीमा से करीब 340 किलोमीटर दूर है। ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि हमले के बाद अमेरिकी युद्धपोत और उसका स्ट्राइक ग्रुप पीछे हट गया है। हालांकि इस दावे के पक्ष में ईरान के सरकारी मीडिया ने कोई जानकारी मुहैया नहीं कराई है। आईआरजीसी ने भी अमेरिकी युद्धपोत पर हमले का दावा किया है।

अमेरिका ने ईरान के दावे पर क्या कहा?

अमेरिका ने ईरान के दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। यूएस सेंट्रल कमांड ने यूएसएस अब्राहम लिंकन की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा है कि अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी में लगातार मदद कर रहा है।

युद्धपोत पर हमले की खबर इतनी अहम क्यों?

यूएसएस अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना के सबसे ताकतवर युद्धपोतों में से एक है। ऐसे में इस पर हमला यकीनी तौर पर अमेरिका के लिए बड़ा झटका होगा। यूएसएस अब्राहम लिंकन निमित्ज श्रेणी का पांचवा युद्धपोत है। यह परमाणु ऊर्जा से चलने वाला पोत है, जो दक्षिण चीन सागर में तैनात रहता है। इस युद्धपोत को अमेरिकी नौसेना में 1989 में शामिल किया गया था। यह युद्धपोत 97 हजार टन वजनी है और इसकी फ्लाइट डेक करीब 4.5 एकड़ में फैली हुई है। इसकी लंबाई करीब 1092 फीट है। इसमें चार हैंगर एलीवेटर हैं और यह अपने साथ 90 लड़ाकू विमान ले जा सकता है। इसकी डेक पर अमेरिका के सबसे आधुनिक लड़ाकू जेट एफ-35सी तैनात हैं। इस युद्धपोत पर पांच हजार से ज्यादा नौसैनिक, मरीन और क्रू के सदस्य तैनात हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा युद्धपोत है। यह युद्धपोत इतना बड़ा है कि इसका अपना खुद का जिप कोड, टीवी और रेडियो स्टेशन, एक अखबार, अग्निशमन केंद्र, लाइब्रेरी, एक अस्पताल, जनरल स्टोर जैसी सुविधाएं हैं।

फिर निशाने पर दुबई, धमाके से इमारतें हिलीं और आसमान में छाया धुआं, हमले को किया गया नाकाम

दुबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच दुबई में लगातार दूसरे दिन जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई। शुक्रवार को तेज धमाकों की आवाज से शहर की कई इमारतें हिल गईं। इस दौरान मध्य दुबई के एक हिस्से में आसमान में काले धुएं का घना गुबार देखा गया। चश्मदीदों के अनुसार, दो बड़े धमाके हुए जिससे पूरा इलाका दहल गया।

दुबई मीडिया ऑफिस ने सोशल मीडिया पर इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने एक हमले को सफलतापूर्वक बीच में ही रोक दिया। इस कार्रवाई के दौरान हमले का मलबा एक इमारत के बाहरी हिस्से पर गिरा। अधिकारियों ने इसे एक मामूली घटना करार दिया है। अच्छी बात यह है कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई और कोई घायल भी नहीं हुआ।

रिपोर्ट के मुताबिक, धमाकों के तुरंत बाद दुबई की मुख्य सड़क शेख

जायद रोड पर सायरन की आवाजें गूंजने लगीं। पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। यह घटना दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर (DIFC) के पास हुई। धमाके और मलबे की वजह से इमारत को काफी नुकसान पहुंचा है।

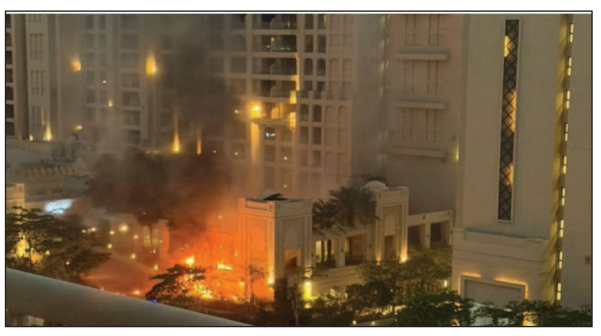

लगातार दूसरे दिन हुआ हमला

दुबई में लगातार दूसरे दिन ऐसी घटना हुई है। इससे पहले गुरुवार को भी अल बदा इलाके में ड्रोन से जुड़ी एक घटना सामने आई थी। तब भी शहर के बीचों-बीच धमाकों की आवाज सुनी गई थी। 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से खाड़ी क्षेत्र में तनाव बहुत बढ़ गया है। ईरान के हमलों की वजह से इस इलाके में अब तक 11 आम नागरिकों की मौत हो चुकी है। फिलहाल दुबई प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

'देश को एकजुट रहने की जरूरत': एलपीजी की कमी वाली खबरों पर शशि थरूर बोले- समस्या का जल्द समाधान निकालना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में एलपीजी गैस की कमी वाली खबरों को लेकर सियासत तेज है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के बीच इस मामले की गूंज शुक्रवार को संसद तक सुनाई दी। ऐसे में अब इन खबरों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय के बयान के अनुसार पेट्रोल, डीजल और केरोसिन की सप्लाई पर्याप्त है, लेकिन ऐसा लगता है कि एलपीजी की सप्लाई में कुछ कमी हो रही है। थरूर ने इस बात पर जोर दिया कि इस कमी का ज्यादा असर ग्रामीण इलाकों पर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि एलपीजी में कमी के चलते खासकर ग्रामीण इलाकों में लोग अब लकड़ी और कोयले की जगह गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करने लगे हैं। ऐसे में अगर सिलेंडर आसानी से नहीं मिलते, तो यह लोगों के लिए बड़ी समस्या बन जाती है। इस दौरान थरूर ने देशवासियों को एकजुट रहने का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में देश को एकजुट होकर इस समस्या का जल्द समाधान निकालना चाहिए, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो।

ईरान भी पूरी तरह निर्दोष नहीं- थरूर

एलपीजी की कमी वाली खबरों के बाद थरूर ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इस्राइल की तरफ से ईरान पर हमला करना गलत था। उनके मुताबिक उस समय बातचीत चल रही थी और ईरान कई मांगों को मानने के लिए तैयार दिखाई दे रहा था, इसलिए ऐसे समय में हमला उचित नहीं था।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान भी पूरी तरह निर्दोष नहीं है, क्योंकि उसने ऐसे देशों पर हमले किए जो इस युद्ध का हिस्सा नहीं हैं, जिससे निर्दोष लोग प्रभावित हुए हैं। थरूर ने बताया कि इस संघर्ष में दो-तीन भारतीय नागरिकों की भी मौत हुई है, जबकि उनका इस युद्ध से कोई संबंध नहीं था।

भारत की भूमिका पर क्या बोले थरूर?

उन्होंने यह भी कहा कि एक थाई झंडे वाले टैंकर पर भी हमला हुआ है। ऐसे हालात में भारत को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। थरूर ने बताया कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर खाड़ी देशों के अपने समकक्षों से बातचीत कर रहे हैं। उनके अनुसार भारत को सिर्फ चुपचाप देखने के बजाय सक्रिय कूटनीतिक प्रयास करने चाहिए ताकि हालात को संभाला जा सके।

भारत–अमेरिका में महत्वपूर्ण खनिजों पर समझौता जल्द, यूएस राजदूत सर्जियो गोर ने दिया संकेत

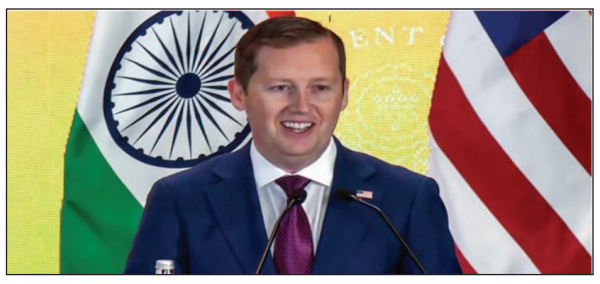

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन और नई दिल्ली महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) से जुड़े समझौते को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं। अगले कुछ महीनों में इस बारे में एक बड़ा एलान हो सकता है।

सर्जियो गोर ने एक मीडिया चैनल के कार्यक्रम के दौरान अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि यह समझौता आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा प्रणालियों और नई तकनीकों के लिए जरूरी सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाने में मदद करेगा। राजदूत ने भरोसा जताया कि भारत और अमेरिका के रिश्ते अब एक ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच अब रुकावटों के बजाय नई उपलब्धियां (ब्रेकथ्रू) देखने को मिल रही हैं। राजदूत ने भारत-अमेरिका साझेदारी के तीन मुख्य स्तंभों का जिक्र किया। पहला व्यापार में सुधार, दूसरा तकनीक और भरोसे में बढ़ोतरी और तीसरा रणनीतिक तालमेल। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की सरकारों में अवसरों को नतीजों में बदलने की पूरी इच्छाशक्ति है। यह साझेदारी केवल टैक्स या बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के संसाधनों को सुरक्षित करने के बारे में है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में क्या?

बता दें कि, भारत और अमेरिका ने सात फरवरी को एक अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार की थी। इस समझौते के तहत भारत ने अमेरिका से आने वाले कई सामानों पर टैक्स (टैरिफ) कम करने या हटाने का फैसला लिया है। इसमें अमेरिकी औद्योगिक सामानों के साथ-साथ खेती से जुड़े उत्पाद भी शामिल हैं। अब अमेरिका से आने वाले सूखे अनाज, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन तेल और शराब जैसे उत्पादों पर भारत कम टैक्स लगाएगा। बदले में अमेरिका भी भारतीय सामानों पर विशेष व्यवस्था लागू करेगा। अमेरिका ने 2 अप्रैल 2025 के कार्यकारी आदेश के तहत भारतीय सामानों पर 18 प्रतिशत की दर से शुल्क लगाने की बात कही है। इसमें भारत में बने कपड़े, चमड़े के उत्पाद, जूते, प्लास्टिक, रबर, रसायन, घर की सजावट का सामान और कुछ मशीनें शामिल होंगी। सर्जियो गोर ने कहा कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्था का आकार और लोगों की प्रतिभा बहुत बड़ी है। अब सही राजनीतिक इच्छाशक्ति की वजह से इस क्षमता का पूरा लाभ मिलना शुरू हो गया है। आने वाले समय में यह साझेदारी दुनिया के लिए एक मिसाल बनेगी।

भावना अजवानी की जगह अब निधी शेट्टी बनेगी प्रेरणा, प्रेम पर डोरे डाल छीनेगी राही का पति

टीवी के पॉपुलर सीरियल अनुपमा ने दर्शकों के दिलों-दिमाग पर कब्जा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा में आए दिन ऐसे-ऐसे महाट्विस्ट आ रहे हैं, जिसने लोगों की एक्साइटमेंट भी सातवें आसमान पर पहुंचा दी है। रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा में लीप आने वाला है, जिसके बाद शो की कहानी ही नहीं, बल्कि कास्ट में भी काफी बदलाव देखने को मिलेगा। सीरियल में जहां सचिन त्यागी की एंट्री होने वाली है। वहीं अब अनुपमा में प्रेरणा की जगह भी एक नई एक्ट्रेस की एंट्री हुई है, जो शो में दिलचस्प मोड़ के साथ कदम रखती दिखाई देगी। अनुपमा में होने वाले इन बदलावों ने दर्शकों की उत्सुकता को भी दोगुना कर दिया है।

अनुपमा में जहां पहले प्रेरणा का किरदार भावना अजवानी अदा कर रही थीं। वहीं अब रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा में प्रेरणा की जगह एक्ट्रेस निधी शेट्टी कदम रखेंगी। निधी शेट्टी को आखिरी बार इशिका शाही की वेब सीरीज जब जोडियेक्स मेट में देखा गया था। इस सीरीज में उन्होंने जिया का किरदार अदा किया था। वहीं अब निधी शेट्टी प्रेरणा बनकर अनुपमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। हालांकि अभी तक शो से भावना अजवानी के जाने की वजह सामने नहीं आई है। वहीं दूसरी ओर निधी शेट्टी ने भी अनुपमा में एंट्री को लेकर कोई चुप्पी नहीं तोड़ी है।

रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा में सचिन त्यागी तो कदम रख ही रहे हैं। वहीं उनके साथ-साथ सीरियल में 3 इडियट्स फेम दुष्यंत वाघ भी कदम रखते नजर आएंगे। खबरों की मानें तो वह शो में सचिन त्यागी के साथ नजर आएंगे। हालांकि दुष्यंत वाघ के किरदार से पर्दा उठना अभी बाकी है। बता दें कि लीप के बाद अनुपमा गोवा में अपने नए सफर की शुरुआत करेगी। वहीं दूसरी ओर कोठारी परिवार में सत्ता पराग की जगह गौतम के हाथ में चली जाएगी। अब ये देखना दिलचस्प रहेगा कि ये कहानी आगे चलकर क्या मोड़ लेगी।

एक्ट्रेस पूर्णा की फिल्म डार्क नाइट की रिलीज़ डेट अनाउंस

डार्क नाइट ने अपनी रिलीज़ अनाउंस कर दी है। एक्ट्रेस पूर्णा डार्क नाइट नाम की एक इमोशनल एंटरटेनर में काम कर रही हैं। लेटेस्ट जानकारी के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज़ अनाउंस कर दी है। फिल्म 13 मार्च 2026 को रिलीज़ होगी।

जीआर. आदित्य के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में त्रिगुन, वीरधार्थ, सुभाश्री रायगुरु अहम रोल में हैं। मिस्किन इसके म्यूजिक डायरेक्टर हैं और इसे पटलोला वेंकट रेड्डी ने पी19 स्टूडियोज़ के बैनर तले प्रेजेंट किया है। फिल्म को सुरेश रेड्डी कोव्वुरी ने प्रोड्यूस किया है।

पूर्णा ने हेमा का किरदार निभाया है, जो कहानी को आगे बढ़ाने वाला एक अहम रोल है। कहानी चार मेन किरदारों की ज़िंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके इमोशन, राज़ और झगड़े धीरे-धीरे सामने आते हैं, जिससे एक टेंशन वाली और दिलचस्प कहानी बनती है। एक्टर त्रिगुण, जिन्हें अदित अरुण के नाम से भी जाना जाता है, रोशन के रोल में हैं, जबकि विदार्थ एलेक्स का रोल निभा रहे हैं। सुभाश्री रायगुरु सोफिया के रोल में हैं, जो फिल्म की मेन कहानी में और गहराई जोड़ती हैं। फिल्म के प्रमोशन ने मूवी लवर्स के बीच दिलचस्पी पैदा की।

'परफेक्शन नहीं, प्रगति पर फोकस करो'; जेनेलिया डिसूजा ने जिम से पोस्ट की फोटो, सभी मॉम के नाम लिखा मैसेज

अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा ने जिम से अपनी एक फोटो सोशल मीडिया पर साझा की है। इसके साथ उन्होंने सभी माओं के नाम एक खूबसूरत मैसेज लिखा है।

जेनेलिया डिसूजा चर्चित एक्ट्रेस होने के साथ-साथ दो बच्चों की मां भी हैं। उनके दो बेटे रियान और राहिल हैं। जेनेलिया अपने परिवार को पूरा समय देती हैं। मगर, इसके साथ वे खुद पर भी पूरा ध्यान देती हैं। खासकर अपनी फिटनेस के बारे में कोई समझौता नहीं करती हैं। जेनेलिया ने आज गुरुवार को जिम से एक फोटो साझा की है। इसका कैप्शन और दमदार है।

जेनेलिया ने खुद को याद दिलाई यह बात

जेनेलिया डिसूजा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर की है। वे ब्लैक जैकेट और शॉर्ट्स में नजर आ रही हैं। उनकी टीशर्ट पर लिखा है, 'आई'। बता दें कि मराठी में मां को आई कहते हैं। यह फोटो शेयर करते हुए जेनेलिया ने सभी मॉम को फिटनेस के प्रति जागरुक करते हुए मैसेज लिखा है। वे लिखती हैं, 'आई यानी मां जिम में। प्रोग्रेस पर फोकस करो, परफेक्शन पर नहीं। यह एक छोटा सा रिमाइंडर मेरे लिए है और साथ ही इसे पढ़ने वाली सभी माओं के लिए भी है'।

जेनेलिया की डेब्यू फिल्म

जिम आउटफिट में हाथ में पानी की बोतल थामे जेनेलिया अपनी फिटनेस के प्रति पाबंद नजर आ रही हैं। जेनेलिया की टोन्ड बॉडी देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अपनी सेहत और फिटनेस को लेकर कितनी जागरुक हैं। जेनेलिया के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2003 में फिल्म 'तुझे मेरी कसम' से डेब्यू किया था। इसी फिल्म से रितेश देशमुख ने भी डेब्यू किया था।

2012 में की रितेश से शादी

जेनेलिया डिसूजा मस्ती, जाने तू या जाने ना, चांस पे डांस, फोर्स, तेरे नाल लव हो गया और सितारे जमीन पर जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में एक्टर रितेश देशमुख से शादी रचाई।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com